A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 22 सितंबर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 339, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

स्थापना

राजधानी में आज से होगी मां दुर्गा की स्थापना।

शक्ति उपासना का महापर्व नवरात्रि आज से

नई दिल्ली (एजेंसी)। शक्ति उपासना का पर्व शारदीय नवरात्रि की शुरुआत कल 22 सितंबर से शुरू होगी। इसके साथ ही देश में कल सोमवार से जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत भी होगी। इस साल नवरात्रि 9 नहीं, 10 दिनों की है। 1 अक्टूबर को महानवमी है और 2 तारीख को विजयादशमी मनाई जाएगी। ये उत्सव सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य से नजरिए से भी बहुत खास है। जहां एक ओर भक्त देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा करते हैं और दूसरी ओर व्रत-उपवास के माध्यम से शरीर के पाचन तंत्र को विश्राम देते हैं, मंत्र-जप करके मन के नकारात्मक विचार दूर करते हैं, जिससे मन शांत होता है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, नवरात्रि के समय में देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना करते हैं। हर दिन देवी के एक विशेष रूप की पूजा से भक्त के भीतर की नकारात्मकता दूर होती है और जीवन में सकारात्मकता आती है। हिन्दी पंचांग के मुताबिक, एक साल में चार बार नवरात्रि मनाई जाती है, चैत्र, आषाढ़, अश्विन और माघ मास में। इनमें से चैत्र और अश्विन की नवरात्रियां सामान्य (प्रकट) होती हैं, जबकि आषाढ़ और माघ की नवरात्रियों को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है, जो तांत्रिक साधनाओं और आध्यात्मिक प्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। नवरात्रि ऋतुओं के संधिकाल में आती है। संधिकाल यानी वह समय, जब एक ऋतु समाप्त होकर दूसरी ऋतु शुरु होती है। ऋतुओं का ये संधिकाल न केवल पर्यावरण में बदलाव लाता है। बल्कि हमारे शरीर और मन पर भी प्रभाव डालता है।

आज से देश में 'जीएसटी बचत उत्सव' शुरू

मोदी बोले-केवल वही खरीदें जिसमें देश का पसीना हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम रविवार को संबोधन दिया। उन्होंने कहा- 22 सितंबर को सूर्योदय के साथ ही जीएसटी बचत उत्सव शुरू हो जाएगा। इसका फायदा सभी वर्गों को होगा। अपने 20 मिनट के संबोधन में उन्होंने जनता से अपील की कि वही सामान खरीदें जिसे बनाने में देशवासियों का पसीना लगा हो। साथ ही उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की कि स्वदेशी के अभियान के साथ मैन्यूफैक्चरिंग को गति दें। निवेश के लिए माहौल बनाएं। केंद्र और राज्य मिलकर आगे बढ़ेंगे तभी सपना पूरा होगा। जीएसटी पर नवरात्रि के पहले दिन से देश आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए एक बड़ा कदम उठा रहा है। कल 22 सितंबर को सूर्योदय के साथ ही नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी लागू हो जाएंगे। एक तरह से कल से देश में जीएसटी बचत उत्सव शुरू होने जा रहा है। जीएसटी उत्सव में आपकी बचत बढ़ेगी और आप अपनी पंसद की चीजें खरीद पाएंगे। 2014 में जब देश ने मुझे पीएम बनाया।

तब लाखों कंपनियों को अलग-अलग तरह के टैक्स के जाल से परेशानी होती थी। सामान को एक शहर से दूसरे शहर तक पहुंचने के बीच जो खर्च बढ़ता था, वो गरीब उठाता था। देश को यहां से निकालना बहुत जरूरी था। जब आपने हमें 2014 में अवसर दिया तो हमने जीएसटी को प्राथमिकता बनाया। हमने स्टेकहोल्डर, राज्यों से बात की। हर समस्या का समाधान खोजा। वन नेशन वन टैक्स का सपना साकार हुआ। पिछले 11 साल में देश में 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को हराया है।

स्वदेशी-आत्मनिर्भर भारत पर जोर

मेरा सभी राज्य सरकारों से आग्रह है कि स्वदेशी के अभियान के साथ मैन्यूफैक्चरिंग को गति दें। निवेश के लिए माहौल बनाएं। केंद्र और राज्य मिलकर आगे बढ़ेंगे तभी सपना पूरा होगा। हम जो मैन्यूफैक्चर करें वो दुनिया में अच्छा हो, प्रोडक्ट की क्वालिटी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाए। देश की आजादी को जैसे स्वदेशी के मंत्र से ताकत मिली वैसे देश की समृद्धि को स्वदेशी से शक्ति मिलेगी।

पहला सुख निरोगी काया फिट रहें, नशे से बचें : सीएम

सीएम बोले-हमेशा राष्ट्र प्रथम की भावना रखें, तभी भारत बनेगा दुनिया का सिरमौर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि तन और मन की शुचिता के साथ इनका स्वस्थ रहना भी हम सबके लिए बेहद जरूरी है। मनुष्य को पहला सुख निरोगी काया से ही मिलता है। इसलिए हमेशा फिजिकली फिट रहने की कोशिश करें और किसी भी प्रकार के नशे के सेवन से बचें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार की सुबह अटल पथ पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के सभी नागरिकों विशेषतः युवाओं से यह अपील की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्र सरकार द्वारा संचालित फिट इंडिया मूवमेंट और नशामुक्त भारत अभियान के संकल्प पूर्ति एवं जन-जागरूकता के लिए आयोजित नमो युवा रन (मैराथन दौड़) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान नमो युवा रन का आयोजन हम सबको देश की सेवा के लिए आगे आने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम में नमो युवा रन के मोमेंटों (लोगो) का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने स्वयं स्पोर्ट्स ट्रेक सूट में मैराथन दौड़ में शिरकत कर हजारों की संख्या में नमो युवा रन में शामिल प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और उनका उत्साहवर्धन किया।

फिट इंडिया मूवमेंट और नशामुक्त भारत अभियान का संदेश

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट और नशामुक्त भारत अभियान के संबंध में एक वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने देश के सभी युवाओं से फिट रहने और नशा नहीं करने की भावुक अपील की। उन्होंने कहा कि नशामुक्त भारत के लिए हमने राष्ट्रीय योजना तैयार की है। जो एडिक्ट्स हो चुके हैं उन्हें शिक्षित कर उनके उपचार और पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स, केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारों के सभी विभाग भारत को नशामुक्त बनाने की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं। वीडियो संदेश में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह एवं केन्द्रीय खेल मंत्री श्री मनसुख मंडाविया ने भी देश के सभी युवाओं से शरीर की तंदरूस्ती के लिए रोजाना व्यायाम करने और नशे से बचने का विशेष आह्वान किया। नमो युवा रन मैराथन दौड़ कार्यक्रम में खेल एवं युवक कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, श्री हितानंद शर्मा, श्री वैभव पंवार, श्री रविन्द्र यति, श्री रणजीत चौहान, श्री महेन्द्र यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

प्रथम शैलपुत्री

नवरात्रि उत्सव के दौरान मां दुर्गा के नौ विभिन्न रूपों का सम्मान एवं पूजा की जाती है। जिसे नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है। माँ दुर्गा का पहला ईश्वरीय स्वरूप शैलपुत्री है। शैल का अर्थ है शिखर शास्त्रों में शैलपुत्री को पर्वत (शिखर) की बेटी के नाम से जाना जाता है।

सुप्रभात

बुद्धिं देहि यशो देहि
कवित्वं देहि देहि मे ।
मूढत्वं च हरेद्देवि त्राहि
मां शरणागतम् ॥

जडानां जडतां हन्ति
भक्तानां भक्तवत्सला ।
मूढता हर मे देवि त्राहि
मां शरणागतम् ॥

सौम्यक्रोधधरे रुपे
चण्डरूपे नमोऽस्तु ते ।
सृष्टिरुपे नमस्तुभ्यं
त्राहि मां शरणागतम् ॥

भीड़ पर कंट्रोल, सोशल मीडिया से सड़क तक सरकार की तैयारी

- गृह मंत्रालय ने बनाई गाइडलाइन, भीड़ को रोकने, बांटने और घेरने के तरीके बताए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने भीड़ पर नियंत्रण के नए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। इनका फोकस विरोध प्रदर्शनों और बड़े आयोजनों पर है। इसमें कुम्भ जैसे मेले, खेल स्टेडियम, धार्मिक प्रोग्राम और बाबाओं के प्रवचन आदि शामिल हैं। सांप्रदायिक दंगे, छात्र आंदोलनों और सोशल मीडिया से संचालित जनाक्रोश भी इसके दायरे में हैं।

देश विभाजित था, इसलिए गुलाम हुआ

योगी बोले-हमें फिर नहीं बंटना, भारत ऐसे ही सोने की चिड़िया नहीं था

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में योगी ने कहा- यह देश विभाजित था, इसलिए गुलाम हुआ। हमें फिर से विभाजित नहीं होना है। विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाने के लिए पंच प्रण लेना होगा। ये पंच प्रण हैं- गुलामी की मानसिकता को खत्म करना होगा। अपने अंदर की हीन भावना को खत्म करना होगा। विरासत का सम्मान करना होगा। अपनी सेना के जवानों के प्रति सम्मान का भाव रखना होगा। हर नागरिक को अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को भलीभांति निभाना होगा। उन्होंने कहा- भारत को ऐसे ही थोड़ी सोने की चिड़िया कहते थे। ऐसे ही विदेशी आक्रांता यहां नहीं आए थे। हमारे पास सब कुछ थे। आज से 300 वर्ष पहले के भारत की तुलना करते हैं तो 17वीं सदी में कृषि और उद्योग के क्षेत्र में भारत दुनिया में नंबर एक पर था। फिर धीरे-धीरे हमारा सब कुछ केवल खेती बाड़ी पर निर्भर हो गया। डिमांड कम है, सप्लाई ज्यादा करेंगे तो दाम भी नहीं मिलेगा। यही होता गया। इससे देश धीरे-धीरे भुखमरी की कगार पर आ गया। हजारों लोग मरे। कोई पूछने वाला नहीं था।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c | न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 22 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

महाराष्ट्र के गरबा में लोगों पर गौमूत्र छिड़कने का फरमान

विहिप बोला-आयोजनों में एंट्री से पहले तिलक लगाकर हिंदू देवता की पूजा करनी होगी

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विश्व हिंदू परिषद ने नवरात्रि के दौरान गरबा आयोजनों को लेकर शनिवार को एक एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया है कि राज्य में गरबा कार्यक्रमों में सिर्फ हिंदुओं को जाने की इजाजत होगी। आयोजकों से एंट्री गेट पर आधार कार्ड की जांच करने की सिफारिश की गई है। विहिप ने कहा- गरबा आयोजनों में सिर्फ हिंदुओं को ही एंट्री मिलनी चाहिए। गैर-हिंदू इनमें भाग न लें, इसके लिए लोगों को अंदर जाने से पहले तिलक लगाना होगा, हाथों पर रक्षा सूत्र बांधना होगा और किसी हिंदू देवता की पूजा करनी होगी। विहिप ने गरबा आयोजकों से कहा- नवरात्रि सिर्फ मौज-मस्ती का त्योहार नहीं है। यह एक धार्मिक आयोजन है जहां भक्त देवी-देवताओं की पूजा करते हैं।

जनता को महंगाई से मिलेगी राहत, जरूरत के सामान होंगे सस्ते

पनीर, घी, साबुन, शैंपू के साथ कार व एसी सबकी कीमतें घटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम जरूरत की चीजें जैसे पनीर, घी और साबुन-शैंपू के साथ एसी, कार भी सस्ते होंगे। जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इसकी जानकारी दी। देश के अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में जीएसटी 2.0 को ऐतिहासिक बदलाव माना जा रहा है। नए प्रावधानों के तहत अब जीएसटी की दो मुख्य दरें- 5 प्रतिशत और

18 प्रतिशत ही होंगी और सिन गुड्स जैसे शराब, तंबाकू आदि हानिकारक चीजों पर 40 फीसदी का स्पेशल टैक्स स्लैब लागू होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी काउंसिल ने सितंबर में आयोजित बैठक में इनडायरेक्ट टैक्सेशल सिस्टम में बड़े बदलाव की घोषणा की थी। इसका मकसद टैक्स स्लैब को सरल बनाना, खपत को बढ़ावा देना और दरों को तर्कसंगत बनाना था। नए प्लान के तहत, सरकार ने जीएसटी के चार टैक्स स्लैब की जगह दो टैक्स स्लैब पेश किए हैं।

यह सामान हो जाएगा सस्ता

- टूथपेस्ट, साबुन और शैंपू
- बिस्किट, स्नेक और जूस जैसे पैकेज्ड फूड
- घी, मक्खन, बटन और कंडेन्स्ड मिल्क जैसे डेयरी आइटम
- साइकल और स्टेशनरी आइटम
- किफायती कपड़े और फुटवियर

यहां बढ़ा टैक्स

- तम्बाकू उत्पाद, शराब और पान मसाला।
- ऑनलाइन सट्टा और गेमिंग प्लेटफॉर्म।
- पेट्रोलियम उत्पाद फिलहाल जीएसटी के दायरे में नहीं हैं, इसका मतलब ईंधन की कीमतों में राहत नहीं होगी।

स्कूटी और साइकिल वितरण से खिले विद्यार्थियों के चेहरे

पीएमश्री हायर सेकेंडरी स्कूल पाढर में स्कूटी-साइकिल का वितरण

बैतूल। घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के पीएमश्री शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पाढर में शनिवार को स्कूटी एवं निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। मध्यप्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को दो स्कूटी प्रदान कर सम्मानित किया गया, वहीं अन्य विद्यार्थियों को निशुल्क 141 साइकिलें वितरित की गई। स्कूटी और साइकिल पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय के प्राचार्य दिनेश मानकर ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता गैलेंद्र राठौर ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार योजनाएं संचालित कर रही हैं। उनका उद्देश्य शिक्षा के प्रति जागरूकता लाना है। उन्होंने कहा कि ज्ञान ही

सफलता की कुंजी है और यह हमें गुरुजनों से प्राप्त होता है। इस अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष दीनदयाल मालवीय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में पाढर मंडल अध्यक्ष नन्दन यादव, जनपद सदस्य सरस्वती इंदु बारसे, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश परते, सरपंच अमित कुमरे, सरपंच मनोज भलावी, चंद्रशेखर राठौर सहित बड़ी संख्या में शाला स्टाफ, पालकगण और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

भारत-यूएस ट्रेड डील पर फिर छाए संकट के बादल

अब ट्रंप की एच-1 बी वीजा नीति बनेगी बाधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए फैसले के तहत एच-1बी वीजा पर सालाना 1 लाख डॉलर यानी कि करीब 90 लाख रुपये की भारी-भरकम फीस लगाए जाने से भारतीय आईटी पेशेवरों और कंपनियों को गहरा झटका लगा है। औसतन 66 हजार डॉलर वार्षिक कमाने वाले वीजा धारकों के लिए अमेरिका को लेकर सर्विस सेक्टर में अधिक पहुंच की मांग कर रहा था लेकिन अब, जब यह फैसला वार्ता के संवेदनशील दौर में आया है, तो दोनों देशों के बीच बढ़ती दूरी व्यापार समझौते की संभावनाओं को कमजोर कर सकती है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक ने कहा कि अमेरिका अपने ग्रैजुएट को प्रशिक्षित करना चाहता है और

यह शुल्क कार्यक्रम को लगभग ठप कर देने जैसा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम न केवल भारतीय प्रवासी समुदाय के हितों को चोट पहुंचाता है, बल्कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं पर भी गहरी छाया डालता है। भारत की आईटी कंपनियों और पेशेवरों के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है। एच-1बी वीजा के जरिए हर साल बड़ी संख्या में भारतीय विशेषज्ञ अमेरिकी कंपनियों में काम करते हैं। लेकिन नई शर्तें इस अवसर को सीमित कर देंगी। नासकॉम ने चेतावनी दी है कि इससे अमेरिकी नवाचार तंत्र और रोजगार बाजार पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत पहले से ही विदेशी कर्मचारियों को नौकरियों पर लाने की प्रवृत्ति रोकनी होगी। वाइट हाउस का तर्क है कि एच-1बी कार्यक्रम के दुरुपयोग से अमेरिकी युवाओं का विज्ञान और तकनीक में रुचि लेना घट रहा है, जिससे अमेरिका की नेतृत्व क्षमता खतरे में पड़ सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था में सर्विस सेक्टर का योगदान लगभग 55 फीसदी है और अमेरिका इसकी सबसे बड़ी मंजिल है। अगर अमेरिकी बाजार में भारतीय सेवाओं की पहुंच घटती है, तो इसका असर लाखों नौकरियों पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की रणनीति अपनानी होगी, ताकि एक ही देश पर निर्भरता कम हो।

जिला अस्पताल का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

● भीड़ प्रबंधन के दिए सख्त निर्देश ● अस्पताल परिसर में गार्डन डेवलप कार्य में गति लाने के दिए निर्देश

बैतूल। रविवार को कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर यहां व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अस्पताल में वार्डो के अंदर भीड़ पाए जाने पर उन्होंने

असंतोष व्यक्त किया और सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि बिना विजिटर पास के कोई भी व्यक्ति मेडिकल वार्डो में प्रवेश न करें। पास की जांच के लिए अधिकृत व्यक्ति नियुक्त किया जाएं। उन्होंने विभिन्न वार्ड प्रभारी नर्सिंग ऑफिसर को भी ताकीद किया कि विजिटर पास होने के उपरांत परिजन प्रवेश करे। ताकि वार्डो में भीड़ की स्थिति न बने तथा मरीजों और चिकित्सकों को भी असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान में स्वच्छता मानक अनुरूप नहीं पाई गई, जिस पर कलेक्टर साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल के सामने गार्डन डेवलप करने के पूर्व निर्देशों के बावजूद प्रगति दिखाई नहीं देने पर नाराजगी जाहिर की। सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे ने बताया कि गार्डन डेवलप के निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।

दिव्यांग अनीता का तत्काल बनवाया प्रमाण पत्र - कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अस्पताल में लोगों से आत्मीय चर्चा कर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने एकलव्य आवासीय विद्यालय चिचोली की दिव्यांग छात्रा अनीता चौहान ने बताया कि उन्हें परीक्षा में लेखन सहायता के लिए प्रमाण पत्र की आवश्यकता हैं, जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी के निर्देश पर सिविल सर्जन डॉ घोरे ने तत्काल प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर कर छात्रा को दिया। इस दौरान एसडीएम अभिजीत सिंह, सीएमओ सतीश मत्सेनिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहें।

बैतूल में दूसरे दिन मिला मासूम का शव

चिखलार के सुरमा खदान तालाब में नहाने के दौरान डूबा

बैतूल। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम चिखलार में सुरमा खदान तालाब में नहाने गए 10 वर्षीय बालक सागर वरकड़े की डूबने से मौत हो गई। यह घटना शनिवार शाम लगभग 4 बजे की बताई जा रही है। परिजन शनिवार रात भर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन शव रविवार सुबह तालाब में मिला। मृतक सागर के पिता सीताराम वरकड़े ने बताया कि वह ग्राम कुटंगा (थाना चिचोली) के रहने वाले है। लेकिन वह पिछले चार सालों से अपने परिवार के साथ चिखलार में रह रहे है। पूरा परिवार मजदूरी करके जीवन यापन कर रहा है। जानकारी के अनुसार,

सागर शनिवार को अपने एक दोस्त के साथ तालाब में नहाने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया, जबकि उसका साथी वहां से चला गया। जब वह घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने तलाश शुरू की। इसी दौरान तालाब किनारे सागर के कपड़े पड़े मिले। ग्रामीणों की मदद से रविवार सुबह करीब 5 बजे तालाब में उसकी तलाश की गई, जहां से सागर का शव बरामद हुआ। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। पोस्टमार्ट्म के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

गुवाहाटी पहुंचा गायक गायक जुबिन गर्ग का पार्थिव शरीर

एयरपोर्ट से घर तक जन सैलाब, करना पड़ा लाठी चार्ज

गुवाहाटी (एजेंसी)। लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग का पार्थिव शरीर शनिवार आधी रात को सिंगापुर से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। जुबिन की शुक्रवार को सिंगापुर में बिना

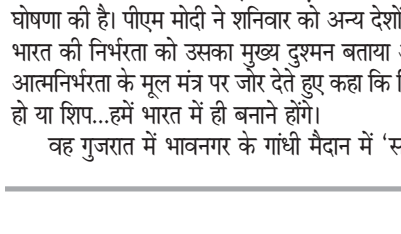

जीवनरक्षक जैकेट के समुद्र में तैरते समय मौत हो गई थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा खुद पार्थिव शरीर को गुवाहाटी ले जाने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। उनके साथ केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा और राष्ट्रीय राजधानी में तैनात असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। सिंगापुर में जुबिन की अचानमक मौत के बाद उनके गुवाहाटी स्थित घर पर लोगों का तांता लगा रहा।

बिहार में अब वकीलों को हर महीने मिलेंगे 5000 रुपए

चुनाव से पहले नीतिश सरकार का एक और बड़ा ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतिश सरकार ने वकीलों को बड़ी सौगात दी है। राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसकी जानकारी दी है। इसके तहत बिहार में अब वकीलों को 5000 रुपया स्टाइपेंड दिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनडीए सरकार ने 1 जनवरी 2024 से नामांकित सभी नये अधिवक्ताओं को तीन वर्षों तक प्रतिमाह पांच हजार रुपये स्टाइपेंड दिए जाने वाले प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, नये वकीलों को तीन साल तक मिलेगा प्रतिमाह 5000

रुपये! एनडीए सरकार ने 1 जनवरी 2024 से नामांकित सभी नये अधिवक्ताओं को तीन वर्षों तक प्रतिमाह पांच हजार रुपये स्टाइपेंड दिए जाने वाले प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इसका भुगतान बिहार राज्य बार काउंसिल के माध्यम से किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य के अधिवक्ता संघों द्वारा अनुरोध किए जाने पर उन्हें ई-लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए पांच लाख रुपये की एकमुश्त सहायता दी जाएगी। बिहार अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति को सहायता के रूप में 30 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। आयकर दायरे से नीचे की आय वाले अधिवक्ताओं को मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से सहयोग और अधिवक्ता संघों में महिला वकीलों के लिए महिला शौचालय (पिंक टॉयलेट) की व्यवस्था की जाएगी। माननीय मुख्यमंत्री नीतिश कुमार जी के नेतृत्व में लगातार बिहार के सभी समाज के हित में विकास कार्य जारी है।

विकास मित्रों को भी मिला बड़ा तोहफा

इससे पहले मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने रविवार को ही बिहार में विकास मित्र को बड़ी सौगात दिए जाने का ऐलान किया था। सीएम नीतिश कुमार ने बताया था बिहार महादलित विकास मिशन के अन्तर्गत कार्यरत प्रत्येक विकास मित्र को टैबलेट क्रय हेतु एकमुश्त 25 हजार रुपए की राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है ताकि उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों के डाटा संधारण एवं अन्य कामकाज में सुविधा हो सके। इसके साथ ही विकास मित्रों का परिवहन भत्ता 1900 रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 2500 रुपए प्रतिमाह एवं स्टेशनरी भत्ता 900 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे उन्हें क्षेत्र भ्रमण के साथ-साथ दस्तावेजों के संग्रहण में सुविधा होगी।

समुद्र में बढ़ेगी ताकत, पैदा होंगे दो करोड़ नए रोजगार

● पीएम मोदी ने किया तीन बड़ी योजनाओं का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से टैरिफ और एच-1 बी वीजा की चुनौती के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समुद्री शक्ति बढ़ाने और शिप बिल्डिंग सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने के केलिए तीन बड़ी योजनाओं की घोषणा की है। पीएम मोदी ने शनिवार को अन्य देशों पर भारत की निर्भरता को उसका मुख्य दुश्मन बताया और आत्मनिर्भरता के मूल मंत्र पर जोर देते हुए कहा कि चिप हो या शिप...हमें भारत में ही बनाने होंगे।

वह गुजरात में भावनगर के गांधी मैदान में 'समुद्र

से समृद्धि' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने कुल 34,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने शिप बिल्डिंग सेक्टर के लिए 70 हजार करोड़ की तीन योजनाओं की घोषणा की है।

देश की करोड़ों मां का अपमान किया गया, जवाब जनता देगी

● गिरिराज सिंह बोले-तेजस्वी के मंच से पीएम की मां को गाली दी गई, युवराज के यही संस्कार हैं

बेगूसराय (एजेंसी)। वैशाली के महुआ में बिहार अधिकार यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव की मौजूदगी में पीएम नरेंद्र मोदी की मां को गाली दी गई। काफी देर तक समर्थक अपशब्द कहते रहे। इस दौरान तेजस्वी अपना भाषण देते रहे। जिसका वीडियो भी सामने आया है। इस मामले पर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने निशाना साधा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि ये लोग सुधरने वाले नहीं हैं। बिहार और देश की करोड़ों मां का अपमान किया गया है, जिसका जवाब जनता देगी। हम लालू जी का जंगल राज कहते हैं तो बुरा मान जाते हैं। हमारे प्रधानमंत्री को लालू के राजकुमार तेजस्वी यादव के मंच से गालियां दी जाती है। आप लोग सुधरने वाले नहीं हैं।

वायनाड में संकट में कांग्रेस, कार्यकर्ता हुए नाराज

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का 12-दिन का वायनाड दौरा लगातार चर्चा में है। खास बात यह है कि इस दौरान न तो भीड़भाड़ वाले कार्यक्रम हुए और न ही स्थानीय कांग्रेस इकाई उनकी गतिविधियों से जुड़ी दिखी।

● प्रियंका गांधी के कार्यक्रमों से बनाई दूरी, मुश्किल में पार्टी

शुक्रवार को इस दौरे में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता विपक्ष राहुल गांधी भी उनसे जुड़ गए। प्रियंका 11 सितंबर से अपने वायनाड लोकसभा क्षेत्र में हैं और 22 सितंबर तक यहां रहने वाली हैं लेकिन उनकी अधिकांश मुलाकातें और कार्यक्रम पार्टी संरचना से बाहर हैं। वायनाड जिला कांग्रेस प्रमुख एन डी अप्पाचन ने कहा, हमें उनके कार्यक्रमों की जानकारी नहीं दी जाती। सब कुछ उनके दफ्तर से तय होता है। वह स्थानीय राजनीति में शामिल नहीं होना चाहतीं। कांग्रेस सूत्रों ने स्वीकार किया कि प्रियंका का यह दौरा समय के

लिहाज से सही नहीं है, क्योंकि विधानसभा का सत्र चल रहा है। वायनाड की सात विधानसभा सीटों में से पांच कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ के पास हैं। विपक्ष के लिए यह सत्र सरकार पर दबाव बनाने का अवसर है, ऐसे में स्थानीय नेता नाराज बताए जा रहे हैं।

युवक से मोबाइल छीना, ट्रैफिक आरक्षकों ने दो बदमाश पकड़े

बाइक सवार दो बदमाश फरार, पकड़े गए से पूछताछ

इंदौर। पीपल्याहाना चौराहे से पैदल जा रहे एक व्यक्ति का बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े मोबाइल छीन लिया। घटना की जानकारी जैसे ही ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक आरक्षक को लगी तो वह बाइक लेकर बदमाशों के पीछ लग गए। अगले चौराहे पर तैनात ट्रैफिक आरक्षक को इसकी जानकारी दी, इसके बाद दोनों ने मिलकर दो बदमाशों को रंगेहाथों पकड़ लिया। दो बदमाश भाग निकले। घटना के बाद दोनों बदमाशों को पुलिस को सौंपा है। पुलिस उनसे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही हैं। घटना शनिवार को पीपल्याहाना चौराहे की है। यहां पर आरक्षक भगवत सिंह की ड्यूटी ट्रैफिक संभालने में लगी थी। तभी उनके पास फरियादी लक्ष्मण कनोडिया आया और बताया कि वह रोड पर पैदल-पैदल जा रहा था, तभी बाइक सवार चार बदमाश आए और उसका मोबाइल फोन झपट कर ले गए। फरियादी की बात सुन आरक्षक भगवत सिंह तुरंत हरकत में आए और अपनी बाइक लेकर बदमाशों के पीछे लग गए और आगे के एग्रीकल्चर कॉलेज चौराहे के पाइंट पर लगे अपने साथी रंजीत निनामा को इसकी जानकारी देकर अलर्ट किया। दोनों आरक्षकों ने बदमाशों का पीछा कर दो आरोपियों को बाइक के साथ पकड़ा, जबकि बाकी के दो बदमाश मौके से भाग निकले। इस बीच तिलक नगर के बीट के पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए। दोनों बदमाशों को तिलक नगर पुलिस को सौंपा गया है, जिनसे पूछताछ कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। पूछताछ में दोनों ने अपने नाम शाहरुख और तौसिफ बताया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है।

करणी सेना ने बस चालक को पीटा

इंदौर। सांवेर तहसील के रिंगनोदिया में हुए सड़क हादसे में पिछले दिनों चार लोगों की मौत हो गई थी। मामले की जानकारी लगने पर करणी सेना के पदाधिकारी घटना स्थल पहुंचे थे। यहां विवाद होने पर करणी सेना ने बस चालक से जमकर मारपीट की थी। जिस बस से दुर्घटना हुई थी, वह विधायक गोलू शुक्ला की थी। सांवेर पुलिस ने बताया कि घटना को पुलिस ने गंभीरता से लिया है। अब डीआईजी ने एसपी को जांच सौंपते हुए पूरे हादसे की रिपोर्ट मांगी है। डीआईजी (ग्रामीण) मनोज कुमार सिंह ने बताया कि इंदौर-उज्जैन फोरलेन हाईवे पर बस हादसे में हुई 4 मौतों और कारणों की जांच के लिए एसपी देहात यांगचेन डोलकर भूटिया को दिए गए हैं। वे मौके पर जाकर कई बिंदुओं पर हादसे को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ जांच करेंगी। ये कारण पता लगाया जाएगा कि जहां एक्सीडेंट हुआ वो किस कारण से हुआ। चालक की लापरवाही और अन्य बिंदू पर भी पूछताछ होगी। हादसे के बाद पुलिस ने फरार बस चालक शिव सोनवानिया (29) को गिरफ्तार कर लिया।

आज से मेट्रो का नया समय और किराया

इंदौर। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर संचालन, समय-सारणी और किराए में संशोधन किया है। नई व्यवस्था 22 सितंबर से लागू होगी। इंदौर मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर (16 स्टेशन) पर समय पर मेट्रो चलाने के लिए दिन-रात परीक्षण और कमीशनिंग का काम चल रहा है। 19 सितंबर को एससी-03 से एमआर-10 स्टेशन तक ट्रायल किया था। नई समय सारणी के अनुसार सोमवार से शनिवार तक दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक, हर एक घंटे में एक ट्रेन चलेगी। रविवार को दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक, हर आधे घंटे में एक ट्रेन संचालित होगी। रियायत सहित किराया 1 से 2 स्टेशन तक 20 रुपए और 3 से 5 स्टेशन तक 30 रुपए होगा।

बदमाशों को थमाया रेड और येलो नोटिस

इंदौर। आगामी त्योहारों को देखते हुए पुलिस ने बदमाशों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। पुलिस ने आदतन अपराधियों के खिलाफ प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जूनी इंदौर पुलिस ने शनिवार को बदमाशों को नोटिस थमाए। जूनी इंदौर पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र के आदतन अपराधियों को थाने पर बुलाकर रेड और यलो कार्ड नोटिस दिए गए। साथ ही उनसे डोजियर भी भरवाए गए और आगे भविष्य में त्योहारों के समय शांति व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी है। साथ ही किसी भी प्रकार के अपराध/झगड़ा या किसी प्रकार का अन्य अपराध न करने की नसीहत भी दी है। उन्हें कहा है कि अगर कोई आपराधिक गतिविधि की तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल परिसर में दिनदहाड़े हमला

इंदौर। यहां के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल परिसर में एक मरीज के अटेंडर पर शनिवार को दिनदहाड़े हमला हुआ। अस्पताल में बदमाश चाकू लेकर घुसे और हमलाकर भाग निकले। बदमाशों ने कार के कांच भी फोड़ दिए। घटना इतनी तेजी से हुई कि किसी को कुछ समझ नहीं आया। अस्पताल परिसर में घटना के वक्त पांच से छह गार्ड मौजूद थे, लेकिन वह भी कुछ नहीं कर पाए। घटना के बाद घायल को अस्पताल ले जाया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। फिलहाल पुलिस को घटना की जानकारी दी गई है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बदमाशों ने कार में भी तोड़फोड़ कर दी, जिससे कार के कांच भी अस्पताल परिसर में फैल गए। मामले की जानकारी पुलिस को दी। घटना को किसने अंजाम दिया ये अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

नायता मुंडला के आदेश को चुनौती

इंदौर। अभी तीन दिन पहले ही हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने नवलखा बस स्टैंड के बस ऑपरेटरों की याचिका खारिज कर दी थी, जिसके चलते उम्मीद बनी कि अब जल्द ही नायता मुंडला में जो प्राधिकरण का आईएसबीटी तैयार पड़ा है। वहां से बसों का संचालन शुरू हो सकेगा। मगर ऐसा लगता है कि इस मामले में अदालती लड़ाई जारी रहेगी। क्योंकि, ऑपरेटरों ने सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए डबल बेंच में अपील दायर कर दी है।

डॉ घनघोरिया पर 10 हजार जुर्माना आरटीआई में लापरवाही की सजा

इंदौर/भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) में समय पर जानकारी उपलब्ध न कराने पर सख्त रुख अपनाते हुए इंदौर स्थित महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के लोक सूचना अधिकारी डॉ अरविंद घनघोरिया पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। आयोग ने यह राशि उन्हें व्यक्तिगत रूप से जमा कराने के आदेश दिए हैं। मामला आवेदक आईडीए के सिया चौरसिया से जुड़ा है, जिन्होंने 30 अगस्त 2024 को मांगी गई सूचना समय सीमा में उपलब्ध न होने की शिकायत आयोग से की थी। आयोग ने सुनवाई में पाया कि बिना किसी उचित कारण के सूचना देने में लापरवाही बरती गई। इसके चलते आयोग ने विशेष परिस्थितियों का हवाला देते हुए प्रतिदिन 250 रुपये की दर से अधिकतम 10 हजार रुपये का दंड निर्धारित किया। राज्य सूचना आयोग ने स्पष्ट किया कि आदेश की प्रति प्राप्त होने के एक माह के भीतर यह राशि मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग, भोपाल में जमा कराना अनिवार्य होगा। साथ ही चेतावनी दी गई है कि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो। इस कार्रवाई को सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 20(1) के तहत दिया गया एक सख्त संदेश माना जा रहा है।

अत्यावश्यक सेवा वाले वाहनों के प्रवेश के लिए मार्ग और समय तय होगा

शहर में भारी वाहनों की एंट्री बंद, प्रवेश मार्गों पर कैमरे व नो-एंट्री के बोर्ड लगेंगे

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि इंदौर की यातायात व्यवस्था में सुधार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं जिससे कि गत दिनों हुए सड़क हादसे की तरह भविष्य में कोई भी सड़क हादसा नहीं हो।

यातायात सुधार के लिये सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। साधन और सुविधाएँ मुहैया करायी जायेंगी। कलेक्टर की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टर कार्यालय में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक में यातायात सुधार और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित सिंह तथा राजेश कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव, डीसीपी आनंद कालादगी, एडीएम रोशन राय, अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में गत दिनों हुये सड़क हादसे पर चिंता व्यक्त की गई और तय किया गया कि ऐसे सभी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएंगे,जिससे कि उक्त घटना की पुनर्रावृत्ति नहीं हो। इस संबंध में बैठक में चर्चा करते हुए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए। तय किया गया कि यातायात व्यवस्था की लगातार समीक्षा होगी और सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करते हुए उनका सख्ती से पालन कराया जाएगा। विशेषज्ञों और सभी संबंधितों से चर्चा कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लगातार प्रयास होंगे। बैठक में तय किया गया कि शहर में स्थित नौलखा बस स्टैंड को नायता मुंडला स्थित बस स्टैंड में शिफ्ट किया जाएगा। बस स्टैंड जल्द प्रारंभ होगा। नायता मुंडला बस स्टैंड में आगामी दो दिनों में सभी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में निर्देश दिये गये कि शहर में अवैध रूप से संचालित बस स्टैंड के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। इधर-उधर यात्री बस खड़ी कर सवारी बैठाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। बैठक में तय किया गया कि शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाये। निर्धारित समय में ही प्रवेश की अनुमति रहे। इस संबंध में जल्द ही आदेश जारी किया जा रहा है। अत्यावश्यक सेवा के वाहनों के दिन में प्रवेश के लिये समय निर्धारित किया जायेगा। मार्ग का निर्धारण भी होगा, जिससे कि वे भीड़ भरे इलाके में प्रवेश नहीं करें, अपने गंतव्य पर सुरक्षित स्थान से पहुँचे। **वाहन और ड्राइवरों के फिटनेस की जांच-** बैठक में तय किया गया कि वाहनों और ड्राइवरों के फिटनेस की जांच होगी। साथ ही लाइसेंस, परमिट सहित अन्य दस्तावेज भी देखे जायेंगे। इसके लिए अभियान चलाकर जांच की जाएगी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई होगी। जांच और कार्रवाई के लिये टास्क फोर्स बनाये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में स्कूली बसों के सुरक्षित संचालन भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

बैठक में निर्देश दिये गये कि रालामंडल से लेकर अर्जुन बरोदा तक बन रहे ओवर ब्रिज के सभी डायवर्शन मार्ग पर 24 घंटे निगरानी रखी जाये। वाहन खराब होते ही उसे तत्काल हटाया जाये। गड्ढे होते ही उसे तुरंत भरा जाये, बारिश समाप्ति के तत्काल बाद डामरीकरण कर दिया जाए। नवरात्रि के दौरान देवास तथा उज्जैन जाने वाले मार्गों पर विशेष व्यवस्था रखने के निर्देश दिये गये,जिससे कि त्योहारों के दौरान सुगम यातायात व्यवस्था बनी रहे। मार्ग पर पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिये गये। बैठक में निर्देश दिये गये कि अनावश्यक रूप से बने स्पीड ब्रेकरों को हटाया जाए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह ने पुलिस तथा यातायात पुलिस द्वारा यातायात सुधार के प्रबंधन और कार्रवाइयों के संबंध में जानकारी दी।

सबसे ज्यादा निशाने पर रहे बच्चे, दो की मौत भी हुई

शहर में चूहों का भारी आतंक आठ महीने में 754 को कुतरा

इंदौर। एमवाय अस्पताल के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के एनआईसीयू में नवजातों को चूहे द्वारा कुतरने का मामला सामने आया था। हालांकि शहर में चूहे द्वारा घर, ऑफिस विभिन्न स्थानों पर काटने की घटनाएं होती है। जिसमें एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने से मरीजों को राहत मिल जाती है। आठ माह में चूहे द्वारा लोगों को काटने के 754 मामले सामने आ चुके हैं।

हुकुमचंद अस्पताल के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से अगस्त माह तक यह मामले सामने आए है। अस्पताल के रिकॉर्ड के मुताबिक रेट बाइट पीड़ितों में बच्चों से लेकर हर आयु वर्ग के लोग शामिल है। इनमें अधिकांश बच्चे और मधुमेह रोगी मरीज रहते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक चूहे द्वारा काटने पर पहले टिटनेस का इंजेक्शन लगाया जाता था। लेकिन, डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन में बदलाव के बाद इसमें एंटी रेबीज वैक्सीन को जोड़ दिया है। उनका मानना है कि कई मामलों में चूहे के काटने से रेबीज हो सकता है।

जुलाई माह में ज्यादा शिकार- चूहों के काटने के सबसे कम मामले जनवरी माह में सिर्फ 30 सामने आए। जबकि, जुलाई में सबसे अधिक 234 लोगों को चूहों ने काटा था। विशेषज्ञों के मुताबिक बारिश के दिनों में हर वर्ष चूहे द्वारा काटने के मामले बढ़ जाते हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े हैं कि जनवरी में 30, फरवरी में 38, मार्च में 55, अप्रैल में 55, मई में 63, जून में 108, जुलाई में 234, अगस्त में 171 लोग चूहों के शिकार हुए। हर साल औसतन 754 लोगों को चूहे काटने के मामले सामने आते हैं।

एंटी रेबीज जरूरी- हुकुमचंद अस्पताल के प्रभारी डॉ आशुतोष शर्मा ने कहा कि हमारे अस्पताल में पीड़ित लोगों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जाती है। इससे लोगों को आराम मिलता है। इस वर्ष अगस्त माह तक 754 लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

ट्रक चालक का लाइसेंस निरस्त था, केस दर्ज

इंदौर। सात दिन पहले एयरपोर्ट रोड पर ट्रक चालक ने चार लोगों को अपना शिकार बना लिया था। मामले में ट्रक चालक गुलशेर निवासी धरमपुरी को मल्हारगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी 21 सितम्बर तक रिमांड पर है। पूछताछ में पता चला कि चालक का लाइसेंस छह माह पहले निरस्त हो गया था। इसके बावजूद वह ट्रक चला रहा था। लायसेंस निरस्ती की जानकारी ट्रक मालिक साहिल और ट्रांसपोर्टर, जहां का माल ट्रक में लोड था, उसके खिलाफ भी पुलिस कार्रवाई की जाएगी। 15 सितंबर की शाम कालानी नगर से बड़ा गणपति तक शराब के नशे में नो एंट्री में ट्रक दौड़ाकर तीन लोगों को मौत के घाट उतारने व दर्जनों लोगों को घायल करने वाले नशेड़ी ड्राइवर गुलशेर के साथ हेल्पर शंकर को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ में जुटी है। चालक से पुलिस रिमांड पर पूछताछ में कई जानकारियों मिली है। इसके खिलाफ अब तक दो एफआइआर दर्ज हो चुकी है। मामले में पुलिस को ट्रक मालिक साहिल खान पिता जफरुद्दीन निवासी तंजीम नगर, खजराना की तलाश है, जो धरमपुरी में रह रहा है। पुलिस टीम ने वहां दबिश दी लेकिन मकान पर ताले मिले। ट्रक मालिक परिवार सहित गायब है जिसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है।

'आनंद गोष्ठी' ने नेताओं व नागरिकों का

हादसों में मृत लोगों का तर्पण किया

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के दिवंगत महापुरुषों, नेताओं, प्रचारकों, शहीदों, सैनिकों और पहलगाम आतंकी हमले तथा सड़क दुर्घटना में मारे गए निर्दोष ज्ञात, अज्ञात नागरिकों का श्राद्ध कर तर्पण किया । संस्था आनंद गोष्ठी के संयोजक लव मालू ने बताया कि श्राद्ध पक्ष में इंदौर में इस अलौकिक आयोजन की शुरुआत संस्था आनंद गोष्ठी के संरक्षक,वरिष्ठ भाजपा नेता स्व गोविन्द मालू ने की थी उसी क्रम में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी देश के शहीदों, महापुरुषों,भाजपा और आरएसएस के दिवंगत कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और नेताओं, प्रचारकों, संतों और का कृष्णपुरा छत्री पर आज श्राद्ध तर्पण आचार्य पं मनोज भार्गव (रामायणी) के सानिध्य में किया। लव मालू ने कहा समाज के लिए जो जिए, उनके प्रति हमारा दायित्व है वह पूरा कर रहें है ऐसे महान व्यक्तियों की आत्मा हमे सुपंथ पर ईमानदारी से जन सेवा, समाज सेवा, राष्ट्र सेवा करने का सामर्थ्य और शक्ति दे यह हमनें पुरखों का श्राद्ध कर उनका स्मरण करते हुए उनसे कृपा बरसाने का आव्हान किया। इस अवसर पर अनंत महंत,अमित विजयवर्गीय, लक्ष्मीनारायण भार्गव,अशोक चतुर्वेदी, तेजकरण साहू, दिनेश गोयल, सहित कई गणमान्यजन, भाजपा कार्यकर्ताओं तथा संस्था के स्वयंसेवकों ने तर्पण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

नवरात्रि सोमवार से, 30 एकड़ में विश्व का सबसे बड़ा पंडाल तैयार

शहरभर में पंडालों की सजावट और तैयारियां पूरी हुई

इंदौर। नौ दिनों तक चलने वाला माता दुर्गा की आराधना का पर्व नवरात्रि सोमवार से प्रारंभ हो रहा है। इस अवसर पर शहरभर में धार्मिक उत्साह चरम पर है। विभिन्न क्षेत्रों में पंडालों का निर्माण और सजावट लगभग पूरी हो चुकी है। जगतगुरु बसंत विजयानंद गिरी महाराज द्वारा इंदौर में विश्व का सबसे बड़ा पंडाल बनाया जा रहा है, उसे जगतगुरु ने 'सनातन नवरात्रि महोत्सव' का नाम दिया गया। इस बार इंदौर में माता-रानी के स्वागत की भव्य तैयारियां की जा रही हैं। इंदौर के वीआईपी परस्पर नगर परिसर में करोड़ों का यह पंडाल बनाया जा रहा है। इसकी खासियत यह होगी कि एक ही पंडाल के परिसर में 12 ज्योतिर्लिंगों के अलग-अलग पंडाल बनाए जा रहे हैं। 30 एकड़ में बन रहे इस पंडाल को दक्षिण भारत के मंदिरों के तर्ज पर तैयार किया जा रहा है। आंध्र प्रदेश सहित देश के दूसरे राज्यों से आए 500 से ज्यादा कलाकार तीन महीने से इस पंडाल को तैयार कर रहे हैं। इसी के साथ देशभर के प्रसिद्ध मंदिरों की तरह जैसे मुंबई के दगडू सेठ, लाल बाग के राजा के साथ इंदौर के खजराना मंदिरों के तर्ज पर पंडाल बनाए जाएंगे। भक्तों का अनुमान है कि इन सभी व्यवस्थाओं पर करीब 300 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किया जा रहा है। यह पैसे चंदे के जरिए इकट्ठा किया जा रहा, जो बसंत विजयानंद गिरी महाराज के भक्तों द्वारा दिया दान होगा। इसके साथ ही इस आयोजन में तांबे के बने स्वर्ण कलश को बिक्री के लिए रखा जाएगा, जिसकी कीमत 30 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक होगी। इन कलश से आने वाले पैसों को पंडाल में लगाया जाएगा। पंडाल में लाखों भक्तों के रोजाना भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी। तैयारियां अभी से की जा रही है। **एक हजार पंडाल बने -** जानकारी के अनुसार इस वर्ष इंदौर शहर में करीब 1 हजार पंडालों में माता दुर्गा की स्थापना की जाएगी। इन पंडालों में पारंपरिक गरबा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे। स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई मिट्टी और पर्यावरण मित्र सामग्री से तैयार मूर्तियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों पर प्रतिबंध लगाया है। इसी कारण अधिकतर स्थानों पर पारंपरिक शिल्पकला की झलक देखने को मिलेगी। नवरात्रि का पर्व 22 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। शहर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे राजवाड़ा, सराफा, चोइथराम मंडी, पलासिया, विजय नगर, चितावद, पंढरीनाथ, राज मोहल्ला, लालबाग, राजेंद्र नगर और सुपर कॉरिडोर पर विशेष पंडाल सजाए गए हैं। इनमें आकर्षक रोशनी, भव्य सजावट और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। राजवाड़ा क्षेत्र की मूर्तियां ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से खास महत्व रखती हैं, जहां हर वर्ष पारंपरिक कलाकृतियों का अनोखा प्रदर्शन होता है। सार्वजनिक दुर्गा माता मंदिर समिति से जुड़े रजत शर्मा और यश चौहान ने बताया कि समाजवादी इंदिरा नगर माता मंदिर परिसर में विशेष रोशनी की व्यवस्था की गई है। सड़क मार्गों को सजाया गया है और श्रद्धालुओं के बैठने के लिए गैलरियों का निर्माण भी कराया गया है। श्रद्धालुओं में नवरात्रि को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है।

रंजीत सिंह के खिलाफ एक महिला से पैसे मांगने का मामला भी सामने आया

सोशल मीडिया पर रंजीत और उस महिला का ऑडियो और चैट शेयर

इंदौर। ट्रैफिक पुलिस के डांसिंग कॉप रंजीत सिंह पर आरोप लगाने वाली महिला राधिका ने शनिवार को सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दो और पोस्ट शेयर की। इस पोस्ट में हवलदार रंजीत सिंह पर एक अन्य महिला से पैसे मांगने का आरोप लगाया गया। राधिका ने इसका ऑडियो भी शेयर किया। उसने यह भी बताया कि जल्द ही ये महिला भी रंजीत सिंह के खिलाफ सामने आएगी। राधिका ने शनिवार को वीडियो शेयर करते हुए लिखा ये तुम्हारा फेमस सेलिब्रिटी ... हाथ जोड़कर पैसे मांग रहा है, किसी और औरत से! इसकी ऑडियो रिकॉर्डिंग भी है। ऐसी भीख मांग कर चला रहा था यह अपनी जिंदगी। ऑडियो सुनकर और मजा आया। मुझे यह किसी अन्य महिला ने भेजा है। इसी महिला राधिका सिंह ने पहले दो वीडियो वायरल कर रंजीत सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद पुलिस विभाग ने गुरुवार को रंजीत सिंह पर कार्रवाई करते हुए उसे लाइन अटैच कर दिया था। शुक्रवार को तबीयत बिगड़ गई थी। सीने में दर्द की शिकायत के चलते उन्हें शेल्बी अस्पताल में एडमिट कराया गया। हॉस्पिटल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ विवेक जोशी ने बताया कि रंजीत सिंह को गुरुवार को अस्पताल में एडमिट किया गया था। उनका ब्लड प्रेशर बढ़ा था। अब उनकी हालत ठीक है और बीपी नार्मल है। आज उन्हें आईसीयू से वार्ड में रेफर किया जाएगा। अगर सब कुछ अच्छा रहा तो कल उन्हें डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। उनकी पुरानी कोई मेडिकल हिस्ट्री नहीं है।

यह थी राधिका की पहली पोस्ट- राधिका के अनुसार ऑडियो में रंजीत की आवाज है। जिसमें उसने कहा कि मेरा एक और भाई है। मैंने उनसे अभी कहा कि दोस्त से हेल्प मांगता हूं। क्योंकि, पैसे चुकाने हैं। बच्चों की पढ़ाई के लिए एक से 2 लाख रुपए लिए थे। वो पैसे डूब गए। मेरी इमेज खराब हो गई। इस पर युवती बोली ऐसा क्या काम कर लिया कि आपकी इमेज खराब हो गई! रंजीत ने कहा कि मैं तो कहता हूं अगले जन्म में भगवान मुझसे बोले कि एक तरफ 5 करोड़ रुपए हैं और दूसरी तरफ तू फिर से कुंवारा हो जाएगा। तो मैं बोलूंगा मुझे कुंवारा कर दो। मैं 5 करोड़ कमा लूंगा। पैसे बीवी ने उठाए और मायके में दे दिए। उधार चल रहा है मेरा। वो पैसे मेरे बच्चों की फीस के थे। मैं पैसे कहीं से मांग कर लाया था। युवती बोली कि देखिए मुझसे जितनी भी हेल्प होती है मैं करूंगी आपकी। रंजीत ने कहा कि आप जो बोलोगी मैं करने को तैयार हूं। युवती का जवाब था कोई बात नहीं। जो होगा वहीं (इंदौर) पर आकर बात करेंगे। रंजीत ने जवाब दिया आओ... आओ... जरूर। पहले भी उपकार है आपके, वह भी चुकाना है। आप आओ मेरे से जो भी होगा मैं करूंगा। **दूसरी पोस्ट जो राधिका ने की -** राधिका ने लिखा और कई लड़कियां हैं। कुछ तो मैरिड हैं, इसलिए सामने नहीं आना चाहती। कुछ को इसने (रंजीत) पुलिस की धमकी दी है। अब सब खुश हैं कि सीखो इससे सबक। अंग्रेजी में लिखा, क्योंकि मैं पहली महिला नहीं हूं जिससे उसने संपर्क किया है और न मैं आखिरी हूं ... अब मैं यहां खेलने के लिए तैयार हूं।

बड़ी कार्रवाई की संभावना - रंजीत सिंह को गुरुवार को लाइन अटैच कर दिया गया। एडिशनल कमिश्नर आरके सिंह ने इसके आदेश जारी किए थे। इस मामले में सफाई देने रंजीत सिंह शुक्रवार को अफसरों से मिलने गया था। वहां से लौटने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। अब इस मामले में रंजीत के खिलाफ विभागीय जांच के साथ कोई बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

युवती के खिलाफ भी केस के आसार - विभाग के अफसर रंजीत के व्यवहार को गलत मान रहे हैं। उनका मानना है कि रंजीत की इस हरकत से विभाग की छवि खराब हुई है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक रंजीत की शिकायत पर युवती के खिलाफ भी केस रजिस्टर्ड किया जा सकता है।

संपादकीय

भारतीयों की मुश्किलें बढ़ेंगी

अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा वहां काम करने वाले एच-1बी वीज़ा धारकों के लिए जारी नए कार्यकारी आदेश के बाद मचे बवाल के उपरांत व्हाइट हाउस ने स्पष्टीकरण जारी किया है। बावजूद इसके एच 1 बी वीजा की फीस सौ गुना बढ़ाने से अमेरिका जाने के इच्छुक भारतीयों की मुश्किलें बढ़ने ही वाली हैं। हालांकि भारत सरकार ने ट्रंप प्रशासन के ताजा आदेश पर संयत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम इसका अध्ययन कर रहे हैं। लेकिन इसको लेकर अमेरिका में रहने और वहां काम के लिए जाने के इच्छुक लोगों में भारी अफरातफरी का माहौल है। कई कंपनियों ने अपने भारतीय कर्मचारियों को तुरंत अमेरिका लौटने को कहा है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा जारी आदेश के तहत अब हर नए एच-1बी वीज़ा आवेदक को अमेरिकी सरकार को सालाना 1 लाख डॉलर (क़रीब 88 लाख रुपये) फ़ीस देनी होगी। यह नियम 21 सितंबर 2025 से लागू हो गया है। व्हाइट हाउस ने सफाई दी है कि बढ़ी हुई फीस सालाना नहीं है, बल्कि सिर्फ एक बार ली जाने वाली फ़ीस है। साथ ही यह फ़ीस पहली बार अगले एच-1बी वीज़ा लॉटरी साइकिल में लागू होगी। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि यह नियम केवल नए आवेदनों पर लागू होगा। यह भी बताया गया है कि जिनके पास पहले से एच-1बी वीज़ा है और जो इस समय अमेरिका से बाहर हैं, उनसे देश में दोबारा आने पर एक लाख डॉलर नहीं लिया जाएगा। अमेरिका का यह फ़ैसला उन लाखों भारतीय पेशेवरों को सीधे प्रभावित करेगा जो अमेरिका में काम करने का सपना देखते हैं। दूसरे, इतनी तगड़ी फीस आयद करने का सीधा मतलब भारतीय प्रतिभाओं को अमेरिका आने से रोकना है। इस भारत ने गहरी चिंता जताई है। अभी तक यह फीस कुल मिलाकर लगभग 1500 डॉलर (करीब 1.32 लाख रुपये) थी। जिसे कंपनियां ही चुकाकर भारतीयों को अपने यहां नौकरी पर रख लेती थीं। इसका सर्वाधिक फायदा भारतीयों को मिलता था। यूएस सिटीज़नशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज़ (यूएससीआईसी) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024 में मंज़ूर किए गए कुल एच-1बी वीज़ा में 71 प्रतिशत लाभार्थी भारत से थे, जबकि चीन 11.7 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर था। यानी इस नए नियम का सबसे ज़्यादा असर भारतीयों पर पड़ सकता है। क्योंकि दुनिया भर में भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, डेटा साइंटिस्ट और तकनीकी विशेषज्ञ दुनिया भर में अपनी काबिलियत के लिए पहचाने जाते हैं। एच-1बी वीज़ा लंबे समय से उनके लिए अमेरिका में काम करने का सबसे अहम ज़रिया रहा है। आंकड़े बताते हैं कि भारत से गए पेशेवर अमेरिका की इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम की रीढ़ रहे हैं। लेकिन नए आदेश के बाद अमेरिकी कंपनियों पर दबाव बनेगा कि वो बाहर से लोगों को लाने की बजाए स्थानीय अमेरिकियों को नौकरी दें। इस संदर्भ में भारतीय विशेषज्ञों का मानना है कि हमारे लोग अमेरिका सिर्फ मौज-मस्ती करने नहीं जाते, बल्कि वहां की तकनीक और प्रणाली को आगे बढ़ाते हैं। बेशक इससे नुकसान भारत को भी होगा, लेकिन सबसे बड़ा नुकसान अमेरिका को होगा। और थोड़े समय बाद अमेरिका को यह समझ आ जाएगा। वैसे भी अमेरिकी आईटी कंपनियां 50 फीसदी नौकरियां स्थानीय लोगों को ही देती हैं। नए आदेश से इसमें खास बढ़ोतरी होने की संभावना नहीं है। लेकिन ट्रंप के ताजा आदेश का असर कुछ समय बाद अमेरिकी भारतीयों द्वारा भारत भेजे जाने वाले पैसे पर भी पड़ेगा। भारतीय वहां से हर साल 10 लाख करोड़ रू. भेजते हैं। ये रकम घटने से भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी प्रभावित होगा। कुल मिलाकर ट्रंप प्रशासन किसी भी कीमत पर भारत को झुकाकर अपना पिछलग्गू बनाना चाहता है। लेकिन उसे सफलता नहीं मिलेगी।

नजरिया

रघु ठाकुर

नेपाल में हलचल : भारत को सावधानी की जरूरत

पिछले कुछ दिनों पहले नेपाल में जो घटनाक्रम शुरू हुआ है वह समूची दुनिया में चर्चा का विषय रहा है और अलग-अलग विचारधाराओं के लो- अपने अपने नजरिये से इसका विश्लेषण प्रस्तुत कर रहे हैं। यह आमतौर पर मानवीय गुण भी है कि किसी घटना होने के बाद अमूमन लो- भविष्य वक्ता, महाविश्लेषक बन जाते हैं परंतु घटना होने के पहले उसके बारे में कोई आशंका या संभावना शायद ही ऐसे किसी मित्र ने व्यक्त की हो। कुछ दिनों पूर्व नेपाल के नौजवान आंदोलनरत थे, किसी के मत के अनुसार ये बेरोजगारी से पीड़ित थे, किसी के मत के अनुसार यह सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ थे। हमारे वामपंथी बुद्धिजीवी मित्र दबे स्वर में यह स्वीकार कर रहे हैं कि राजशाही के खात्मे के बाद वहाँ जो मार्क्सवादियों या वामपंथियों की सरकारें आई उन्होंने भी भ्रष्टाचार किया है परंतु वे इतनी नातेदारी अवश्य निभा रहे हैं कि उन्होंने उन्हें कम भ्रष्टाचार का दोषी माना। मैं समझता हूँ कि यह घटनाक्रम प्रत्यक्ष तौर पर तो अल्प समय में ही प्रकट हुआ परंतु कहीं न कहीं इसकी जड़ें लंबे समय की तैयारी में रही है, और ऐसे प्रयोग दुनिया के कई देशों में पहले भी हो चुके हैं।

वर्ष 2009-10 के आसपास मिस्र में जेस्मीन रिवोलूशन के नाम से सत्ता परिवर्तन हुआ था। एक अज्ञात लड़की के संदेश पर हजारों लोग तेहरान के चौक पर पहुंच गये। राष्ट्रपति की जान को बचाने के लिये सेना आ गई और सेना ने राष्ट्रपति की सुरक्षा के नाम पर राष्ट्रपति भवन को घेर लिया तथा एक दो दिन बाद राष्ट्रपति का इस्तीफा हो गया। मुस्लिम कट्टरपंथी मोहम्मद मुर्सी राष्ट्रपति बनाये गये और चुनाव के बाद वह भी लापता हो गये। आज उस लड़की और मुरसी का कोई पता नहीं है, बस एक सरकार है जो किसी वैश्विक ताकत के इशारे पर चल रही है। ऐसी ही घटनायें पिछले दिनों इंडोनेशिया, बंगलादेश, श्रीलंका में और कई देशों में हुई हैं। बं-लादेश में भी घोषित अघोषित प्रयास जारी है। बंगलादेश में भी छात्रों के दो समूहों में विवाद हुआ था। एक तो मुक्तिवाहनी के परिजनों को आरक्षण चाहते, व दूसरे उस आरक्षण के खिलाफ थे और यह छात्रों के दो समूह का विवाद अचानक समूचे बंगलादेश में फैल गया, सुप्रीम कोर्ट के जजों को भागना पड़ा। कुछ भागते हुये पकड़े गये। एक घंटे के अल्टीमेटम से तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा और फिर श्रीमती हसीना के शासनकाल में निर्वासन काट रहे मो. युनूस को सेना ने बंगलादेश में बुलाकर सत्तासीन करा दिया। क्या यह सब आकस्मिक या अचानक शुरू हुए विद्रोह के चलते, जिसमें नौजवानों ने प्रधानमंत्री के घर में घुसकर कब्जा कर लिया था, सभी संवैधानिक संस्थाओं को प्रभावहीन कर दिया गया था और राष्ट्रपति को भागना पड़ा था। अब इसी प्रकार का बदलाव नेपाल में हुआ है। नेपाल की भोगौलिक स्थिति चीन की सीमा से सटी हुई है।

नेपाल के साथ भारत के आजादी के आंदोलन का और समाजवादी नेताओं का गहरा संबंध रहा है। नेपाली कांग्रेस के मुखिया श्री कोइराला जो उस समय शिक्षा के लिये बनारस आये थे, तभी से नेपाली कांग्रेस के नेताओं व समाजवादियों के संबंध रहे हैं। नेपाल में राजशाही को समाप्त कर, लोकतांत्रिक प्रणाली को स्थापित करने में नेपाली कांग्रेस की आरंभिक भूमिका थी तथा समाजवादी नेताओं का उसमें व्यापक योगदान था। चूंकि नेपाल की बड़ी सीमा भारत से सटी हुई है इसलिये भारत के आजादी आंदोलन का भी संबंध नेपाल से रहा है। जब आजादी के आंदोलन के दिनों में डॉ राममनोहर लोहिया और स्व. जयप्रकाश नारायण अंग्रेज पुलिस की गिरफ्तारी से बचकर आंदोलन चला रहे थे, बाद में अंग्रेजों के दबाव में नेपाल की राजशाही के आदेश पर इन्हें गिरफ्तार कर ब्रिटिश पुलिस को सौंपा गया था। फिर बाद में आजादी के सेनानियों ने पुलिस दस्ते पर हमला कर उन्हें छुड़ा लिया था। इसे याद करने का तात्पर्य यह है कि नेपाल की जनता व नेपाली कांग्रेस के नेता भारत की आजादी के साथ रही है और भारत के समाजवादी नेता नेपाल में राजशाही समाप्त कर लोकतंत्र की स्थापना के लिये सक्रिय सहयोगी रहे हैं। डॉ लोहिया को तो नेपाल के दिल्ली स्थित दूतावास के समक्ष प्रदर्शन करते हुए गिरफ्तार किया भी गया था, तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उन्हें लंबे समय तक तिहाड़ जेल में रखा और समूची दुनिया में इसकी आलोचना के बाद लोहिया व उसके साथियों को रिहा किया गया था। बाद में मार्क्सवादी विचारों के लोग इसमें प्रवेश किये थे। राजशाही समाप्त होने के बाद आरंभिक दिनों में नेपाली कांग्रेस के हाथ सत्ता आई थी परंतु नेपाली कांग्रेस परिवारवाद से उसी प्रकार ग्रसित रही, जिस प्रकार भारत में कांग्रेस नेहरू परिवार से। इसका लाभ मार्क्सवादियों को मिला। राजा महेन्द्र अंदर से तो अनुदार थे परंतु प्रकट में उदारता का नकाब पहने रहते थे। उन्होंने राजशाही को कायम रखने के लिये नेपाल में पंचायती प्रणाली लागू की थी। नीचे पंचायतें और ऊपर राजा थे। वे चतुराई के साथ किसी भी निर्वासित सरकार को स्थाई नहीं होने देते थे। चीन के साथ भी संबंध व समझ बनाकर रखते थे। उनकी परिवार सहित सामूहिक हत्या उनके राज निवास में हुई जिसके योजनाकारों का खुलासा आज तक नहीं हो सका। यह विचित्र है कि अनेकों शासकों की हत्या के पीछे की साजिशकर्ता संस्थाओं व उनके उद्देश्यों का खुलासा नहीं हो पाता। राजा ज्ञानेंद्र के प्रति आम लोगों में कोई विश्वास नहीं था। और अंततः राजशाही का अंत हुआ। नेपाली कांग्रेस के बाद सीधे सीधे मार्क्सवादी लोग निर्वाचित होकर प्रधानमंत्री बने। प्रचंड, देवुबा और अब ओली। परंतु सत्ता और संपत्ति के लालच ने मार्क्सवादियों की एकजुटता तोड़ दी और आपस में इतने मतभेद हुए कि एक सत्रावधि में तीन-तीन प्रधानमंत्री बदले गये और धीरे-धीरे मार्क्सवादी अपनी साख खो बैठे। यह स्वभाविक था कि दुनिया की दूसरी वैश्विक ताकतें जो अपने-अपने वर्चस्व के लिये प्रकट व अप्रकट भूमिका बढ़ा रही है जो रातोंरात सरकारों को बदलवा देती है। मेरी यह समझ है कि मिस्र, इंडोनेशिया, बंगलादेश, नेपाल, अफगानिस्तान और पाकिस्तान इन सभी के पीछे उन वैश्विक ताकतों की भूमिका है और सेना के माध्यम से ये छिपे तौर पर कूप कराये जा रहे हैं, जिन्हें प्रचार व दिखावे के लिये जन विद्रोह बता दिया जाता है।

मेरा यह कहना नहीं है कि नेपाल या अन्य देशों में कोई अच्छी ईमानदार या लोकतांत्रिक सरकारें थी। परंतु इनके बदलाव में मुख्य भूमिका वैश्विक ताकतों की प्रायोजित है। यह मत है कि चीन की नाराजगी से नेपाल व बंगलादेश में सरकार बदली गई, यह तर्कसंगत नहीं लगता। क्योंकि सत्ता परिवर्तन के कुछ दिन पूर्व ही श्री ओली व श्रीमती हसीना चीन से सलाह कर लौटे थे। बल्कि इन घटनाओं से लगता है कि चीन की दोस्ती का दंड भी इन सरकारों के खिलाफ विद्रोह करा कर दिया गया।

यह निर्विवाद स्त्य है कि जिन-जिन देशों में यह सरकारें बदली वहाँ की संवैधानिक संस्थायें और नेतृत्व अपने-अपने देश में साख खो चुके थे। इसलिये इन सरकारों व संस्थाओं के लिये कोई रोने वाला नहीं है। नेपाल में विदेश नीति के तौर पर भारत की भूमिका का सदैव त्रुटिपूर्ण और वहाँ की जनता को भारत विरोधी बनाने वाली रही है। स्व. राजीव गांधी ने नेपाल पर प्रतिबंध लगाकर नेपाल की सरकार को झुकाना चाहा था, जिससे वहाँ की आम जनता, भारत विरोधी हो गई। नेपाल का आम आदमी का मानना है कि भारत नेपाल को दबाकर रखना चाहता है। 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बाद भी नेपाल को हिंदु राष्ट्र बनाने के लिये दबाव बनाने के आरोप भारत पर लगे थे। नेपाल का पशुपतिनाथ का मंदिर हमारी सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। नेपाल के संवैधानिक और संस्थागत चरित्र को बदलने के लिये भारत की कोशिशें नितांत अनुचित ही मानी जायेगी तथा मार्क्सवादियों ने भारत विरोधी वातावरण बनाने में आग में और घी डालने का काम किया। इसके प्रभाव भी हाल के जेन जी (जेनरेशन जी) कहे जाने वाले विद्रोह में दिखे जहां भारतीय उद्यमियों व इलाकों में, भारी आगजनी व विध्वंश किया गया। श्रीमती सुशीला कार्मी नेपाली सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश रही हैं, उनको प्रधानमंत्री की शपथ दिलाई गई, परंतु उन पर भी भारत समर्थक होने के आरोप लगे है। क्योंकि उनकी पढ़ाई बनारस में हुई तथा उनके पति श्री दुर्गा सुवेदी जो दिल्ली में हमारे मित्र रहे हैं वह भी काफी समय भारत में रहे। पिछले कुछ समय से राजशाही को वापिस लाने की हलचल नेपाल में शुरू हो चुकी है। काठमांडू और आसपास के इलाके की जातीय संरचना भी राजशाही के अनुकूल रही है। नेपाल की लोकतांत्रिक सरकारों की विफलता, भारत विरोध की नीति, और अंतरराष्ट्रीय षडयंत्रों के चलते नेपाल की राजशाही को फिर कुछसमर्थन मिला है। यह स्वाभाविक है कि जब लोकतंत्र, नेतृत्व, दल, सत्ता और राजनेता भ्रष्ट हो जाते हैं तो आमजन उनके प्रति अपना समर्थन, श्रद्धा का भाव खो देता है।

नेपाल की घटना के बाद भारत के कुछ हिस्सों में भी जेन जी (जेनरेशन जी) जैसे विद्रोह की आशंकायें व्यक्त की गई हैं। हालांकि भारत की विशालता, विविधता और आम मानस इसके पक्ष में नहीं लगता। परंतु भारत को भी समझना चाहिये। प्रतिरोध रोकने के लिये जो प्रतिबंध वे लगा रहे हैं वे उलटी आग भड़का रहे हैं। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध बेअसर और जनाक्रोश को बढ़ाने वाला रहा है। भारत इस समूचे एशिया भूभाग व आबादी में अकेला देश बचा है, जहाँ अभी तक लोकतांत्रिक प्रणाली कायम है। यह महात्मा गांधी के अहिंसक आंदोलन का ही प्रभाव है। जहाँ-जहाँ हिंसक परिवर्तन हुए हैं वहां लोकतंत्र समाप्त हुआ है। भारत के सत्ताधीशों को चाहिये कि वे अपनी शैली में परिवर्तन लाये, लोकतंत्र को न केवल चुनाव प्रणाली के तौर पर बल्कि जीवनशैली और व्यवहार में भी अपनायें। वे आसमान से उतरकर जमीं पर आयें, अपना दिखावा विशेषवर्गीय सुविधायुक्त जीवन, भ्रष्टाचार व परिवार को त्यागें, वरना कभी न कभी आ- फैलेगी। सेना का अपने राजनैतिक हितों के लिये प्रयोग भी बंद करना चाहिये। भारत के सत्ताधीशों व प्रतिपक्ष को सेना की ओट में राजनीति करना बंद करना चाहिये। अगर एक बार सेना को सत्ता का चस्का लग गया तो फिर भारतीय लोकतंत्र को बचाना मुश्किल होगा। यह जेन जी (जेनरेशन जी) क्या है? यह जुलमा कहाँ से कैसे पैदा हुआ है? और यह जेन जी (जेनरेशन जी) स्वप्रेरित है या किन्हीं शक्तियों का खिलौना है। ये प्रश्न है जो भविष्य के गर्त में है अगर यह जेन जी (जेनरेशन जी) क्रांतिकारी जमातें होती तो फिर ये तोड़फोड़, हिंसा, विध्वंस नहीं करती और न ही सत्ता परिवर्तन के बाद विलुप्त होती। इनका अचानक उदय और फिर विलोप, किसी बड़े षड्यंत्र की ओर संकेत करता है।

राजीव खण्डेलवाल

(लेखक कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल नगर सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

पाकिस्तान की 'सऊदी अरब' से रक्षा संधि और भारत की चिंताएं

17 सितम्बर 2025 को रियाद में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच एक ''रणनीतिक द्विपक्षीय रक्षा समझौता'' हुआ। यह स्वतंत्र पाकिस्तान के इतिहास की पहली औपचारिक रक्षा संधि है। यद्यपि चीन और अमेरिका जैसे देशों से पाकिस्तान को लंबे समय से सैन्य सहयोग मिलता रहा है, परन्तु 'कुएँ में कबूतर का भरोसा' कहावत के अनुरूप पाकिस्तान ने ''औपचारिक'' सुरक्षा की गारंटी सऊदी अरब से पहली बार बन पाई है।

भारत और सऊदी अरब के रिश्ते सदैव सौहार्दपूर्ण रहे हैं। यही सऊदी अरब है, जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (2016) और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह (2010) को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुल अजीज साश' से अलंकृत किया था। जबकि पाकिस्तान का कोई भी शासक इस सम्मान से अब तक वंचित रहा है। ऐसे में यह रक्षा संधि भारत के लिए स्वाभाविक ही चिंताजनक और चौंकाने वाली है। क्योंकि संधि की शर्तों के अनुसार यदि किसी एक देश पर ''आक्रमण'' होने पर दोनों ''देशों पर हमला'' माना जाएगा, तब दोनों संयुक्त प्रतिरोध करेंगे-सैन्य शक्ति सहित (क्या इसमें परमाणु क्षमता भी निहित है?)। यह परमाणु बम की ''छत्र छाया'' एक तरफ सऊदी अरब के लिए इजराइल और दूसरी ओर पाकिस्तान के लिए भारत को इंगित करते हुए केंद्रित है? सऊदी अरब भली-भांति इस बात को जानता है कि विश्व में भारत का दुश्मन नंबर एक कोई है, तो वह पाकिस्तान ही है। लगभग पांच महीने पूर्व ही पहलगाम में इसी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोष नागरिकों की महिलाओं के सामने नृशंस हत्या और 15 दिन बाद जवाबी कार्रवाई में भारत का 'ऑपरेशन सिंदूर' इस संदर्भ को और अधिक गंभीर बनाता है। बावजूद इस तथ्य के कि ''ऑपरेशन सिंदूर'' प्रारंभ होने के तीन दिनों के भीतर ही पाकिस्तान को ''नाक रगड़कर'' भारत से सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील करनी पड़ी।

ऑपरेशन सिंदूर के समय केवल इजराइल ने भारत का खुलकर समर्थन किया। विपरीत इसके चीन, तुर्किये, अजरबैजान और मलेशिया पाकिस्तान के साथ खड़े रहे। तुर्की ने तो सैन्य साधन भी मुहैया कराए, जिसके विरोध में भारत में बहिष्कार तक की मुहिम चली। आश्चर्य यह कि विश्व के किसी भी देश ने पहलगाम आतंकी घटना को अंजाम पहुंचने वाले पाकिस्तान को आतंकवाद-जनित भूमिका की आलोचना नहीं की।

पाकिस्तान ने इसी दौर में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा संस्थानों से ऋण लेकर अपनी जर्जर अर्थव्यवस्था को संभालने की कुछ सफल कोशिश की। 26/11 मुंबई हमले जैसी वैश्विक आतंकवादी घटना के कारण पाकिस्तान की एक आतंकवादी देश के रूप में ''पहचान'' बनने के बावजूद अमेरिका की मदद से वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-रोधी समिति का उपाध्यक्ष और अफगानिस्तान तालिबान पर प्रतिबंध समिति अध्यक्ष तक बन बैठा। दरअसल, पाकिस्तान की इस दोहरी नीति-'एक ओर आतंकवाद का पोषण, दूसरी ओर आतंकवाद-रोधी मंच पर भागीदारी'' के बावजूद यह कूटनीतिक उसके लिए कैसे लाभकारी सिद्ध होती आई है, भारत के लिए यह ''शोध'' का विषय होना चाहिए।

सऊदी अरब पाकिस्तान का सदैव करीबी सहयोगी रहा है। 1960 के दशक में ही सऊदी ने पाकिस्तान को खुला समर्थन दिया था। यमन युद्ध के समय पाकिस्तान ने सऊदी सीमाओं की रक्षा की। 1979 में मक्का की ग्रैंड मस्जिद कब्जे के दौरान पाकिस्तानी बलों ने निर्णायक भूमिका निभाई। 1971 के भारत-पाक युद्ध में भी सऊदी खुलकर पाकिस्तान के साथ खड़ा था।

हाल ही में इजराइल द्वारा कतर (दोहा) में हमास नेताओं पर हवाई हमलों के बाद खाड़ी देशों का अमेरिका पर भरोसा कम हुआ है। शायद इसी कारण सऊदी को पाकिस्तान से औपचारिक रक्षा संधि करनी पड़ी है। संधि का एक निहित संदेश इजराइल के लिए है। यदि उसने सऊदी पर हमला किया, तो पाकिस्तान परमाणु शक्ति का प्रयोग कर सकता है। यही कारण है कि कुछ अतिवादी विश्लेषक इसे 'मुस्लिम देशों के सामूहिक सैन्य गठबंधन' की शुरुआत मान रहे हैं। यदि अरब खाड़ी देश पाकिस्तान से इस प्रकार के समझौते करते गए तो क्या पाकिस्तान एक 'मुस्लिम बम' बनाने में सफल होगा? यह भारत के लिए निश्चित ही गंभीर सवाल है।

सऊदी अरब भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। लगभग 25 लाख भारतीय नागरिक वहाँ निवासरत हैं। ऐसे में यह संधि भारत के लिए केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक दृष्टि के साथ भारतीय नागरिकों की सुरक्षा की दृष्टि से भी संवेदनशील है। यद्यपि सऊदी सरकार ने आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया है कि यह समझौता भारत-सऊदी संबंधों को प्रभावित नहीं करेगा, परन्तु इसे ''मासूम झूठ'' ही कहा जाएगा। क्योंकि यदि भारत पाकिस्तान-प्रेरित आतंक पर पाकिस्तान के विरूद्ध सैन्य अभियान छेड़ेगा (जैसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा में घुसकर मारा है यह दावा भारत ने लगातार किया गया था) सैन्य अभियान छेड़ेगा तो सऊदी का रुख संधि की शर्तों के अनुसार पाकिस्तान की ओर झुका हुआ हो सकता है, बशर्ते सऊदी भारत के साथ गरम जोशीले संबंधों को देखते हुए उक्त शर्त को मानने से इनकार कर पाकिस्तान के साथ ''विश्वासघात'' न कर दे? पर प्रश्न यह है कि क्या भविष्य में ऐसा हो पाएगा?

चिंताजनक तथ्य यह भी है कि भाजपा हो या कांग्रेस-भारत के प्रमुख राजनीतिक दलों ने इस पर कोई सशक्त प्रतिक्रिया नहीं दी है। केवल कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने इसे 'भारत की कूटनीतिक असफलता' बताया है, और याद दिलाया कि पहलगाम हमले के समय प्रधानमंत्री मोदी स्वयं ''सऊदी अरब'' में मौजूद थे, जो अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर तुरंत वापिस भारत लौटे। इस तथ्य को सऊदी अरब के राजा सलमान बिन अब्दुल अजीज ने संधि करते समय ध्यान में अवश्य रखा होगा?

समालोचक/आलोचकों को इस बात पर ध्यान नहीं देना चाहिए भारत में इस संधि पर कोई विशेष प्रतिक्रिया नहीं हुई है? इसका एकमात्र कारण क्या यह नहीं हो सकता है कि यह संधि सिर्फ दोनों राष्ट्रों पर ''हमला होने'' पर ही लागू होगी, ''हमला करने'' पर नहीं। मतलब जब पाकिस्तान पर हमला होगा, तभी संधि लागू होगी। भारत की शुरू से ही यह नीति रही है कि उसने कभी भी पाकिस्तान पर हमला नहीं किया है, बल्कि पाकिस्तान द्वारा हमला करने पर या आतंकी कार्रवाई के प्रत्युत्तर में ही सैन्य कार्रवाई की है। पाकिस्तान के लिए यह सिद्ध करना मुश्किल होगा कि भारत ने आक्रमण किया है। इसलिए हमें निश्चिंत होकर सो जाना चाहिए? हां इस संधि से भारत को एक सीख जरूर लेनी चाहिए कि चीन की सैन्य ताकत और भारत के साथ लगातार चल रहे सीमावर्ती तनाव को देखते हुए भारत को भी विश्व में मित्र राष्ट्रों के साथ इसी तरह की रक्षा संधि करने का प्रयास अवश्य करना चाहिए।

सऊदी-पाक रक्षा संधि केवल एक द्विपक्षीय रक्षा करार नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन में बदलाव का संकेत भी है। भारत को यह समझना होगा कि पाकिस्तान धीरे-धीरे आतंकवादी छवि से बाहर निकलकर ''डिप्लोमेटिक खिलाड़ी'' बनता जा रहा है। अरब-खाड़ी देशों में बढ़ता पाक प्रभाव भारत की आर्थिक-सामरिक स्थिति के लिए चुनौती है। सबसे बड़ी चिंता यह कि भविष्य में यदि 'मुस्लिम सैन्य गठबंधन'' मूर्त रूप लेता है, तो भारत की रणनीतिक स्थिति जटिल हो जाएगी।

भारतीय संस्कृति की झलक

नवदुर्गा उत्सव

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

भारत विविधताओं से भरा हुआ देश है। यहाँ धर्म, परंपराएँ और संस्कृतियाँ समय के साथ विकसित होकर जनमानस को एकजुट करती हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण पर्व है नवरात्रि, जिसमें देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि न केवल आस्था और भक्ति का पर्व है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, समाज और जीवन-दर्शन का भी गहरा परिचायक है। 'नवरात्रि' का अर्थ है,(नौ रातें) यह पर्व वर्ष में दो बार प्रमुख रूप से मनाया जाता है–चैत्र और शारदीय नवरात्र। इन नौ दिनों में भक्तजन उपवास रखते हैं, भक्ति-गीत गाते हैं, गरबा और डांडिया जैसे लोकनृत्य करते हैं और माँ दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय और आत्मशुद्धि का प्रतीक माना जाता है।

नौ दुर्गा के स्वरूप और उनका सांस्कृतिक संदेश

1. **शैलपुत्री** - माँ दुर्गा का पहला रूप शैलपुत्री है। वे पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। यह रूप हमें प्रकृति और पर्वतों से गहरे जुड़ाव का संदेश देता है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति-पूजन का विशेष महत्व रहा है और शैलपुत्री इसी का प्रतीक हैं।

2. **ब्रह्मचारिणी** - दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है, जो तप, संयम और विद्या की देवी हैं। यह रूप हमें आत्मसंयम और ज्ञान की साधना का महत्व सिखाता है। भारतीय संस्कृति में ज्ञान को परम मूल्य माना गया है।

3. **चंद्रघंटा** - तीसरे दिन चंद्रघंटा की पूजा होती है। इनके मस्तक पर अर्धचंद्र है। यह रूप शांति और वीरता का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में धर्म का पालन करते हुए भी साहस और शौर्य को आवश्यक माना गया है।

4. **कूष्मांडा** - चौथे दिन की देवी कूष्मांडा सृष्टि की जननी मानी जाती हैं। मान्यता है कि उन्होंने अपनी मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की। यह रूप सृजन, आशा और सकारात्मकता का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में 'सृजन' को सदा से दिव्य गुण माना गया है। -

5. **स्कंदमाता**-पाँचवें दिन की देवी स्कंदमाता हैं, जो कार्तिकेय की माता हैं। यह रूप मातृत्व की महिमा और करुणा का संदेश देता है। भारतीय संस्कृति में 'माँ' को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और स्कंदमाता उसी भाव को प्रकट करती हैं।

6. **कात्यायनी** – छठे दिन माँ कात्यायनी की पूजा की जाती है। इन्हें शक्ति और वीरता का प्रतीक माना जाता है। भारतीय संस्कृति में स्त्री को केवल कोमलता का ही नहीं, बल्कि शक्ति और पराक्रम का स्वरूप भी माना गया है।

7. **कालरात्रि** -सातवें दिन की देवी कालरात्रि हैं। उनका रूप भयावह है, किंतु वे भक्तों के लिए अत्यंत कल्याणकारी हैं। यह रूप हमें सिखाता है कि अंधकार के बाद प्रकाश अवश्य आता है। भारतीय संस्कृति में अंधकार पर प्रकाश की विजय का आदर्श बार-बार दिखाई देता है।

8. **महागौरी** – आठवें दिन महागौरी की पूजा होती है। वे सौंदर्य और शुद्धता का प्रतीक हैं। यह रूप हमें बताता है कि जीवन में निर्मलता और पवित्रता का कितना महत्व है।

9. **सिद्धिदात्री** – नवें दिन सिद्धिदात्री की आराधना की जाती है। वे भक्तों को विभिन्न सिद्धियाँ प्रदान करती हैं। यह रूप पूर्णता और अध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में अंतिम लक्ष्य आत्मज्ञान और मुक्ति माना गया है, और सिद्धिदात्री उसी की प्रतीक हैं।

नौ दुर्गा के ये स्वरूप केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे भारतीय संस्कृति के गहन मूल्यों को भी उजागर करते हैं।

- प्रकृति और मानव का संबंध - शैलपुत्री और कूष्मांडा हमें सिखाती हैं कि प्रकृति और सृष्टि की रक्षा हमारी जिम्मेदारी है।
- ज्ञान और संयम का महत्व- ब्रह्मचारिणी और चंद्रघंटा यह बताते हैं कि शिक्षा और आत्मसंयम से ही समाज प्रगति कर सकता है।
- मातृत्व और करुणा - स्कंदमाता और महागौरी मातृत्व, प्रेम और करुणा का आदर्श प्रस्तुत करती हैं।
- साहस और शक्ति - कात्यायनी और कालरात्रि हमें सिखाती हैं कि कठिनाइयों और अन्याय से संघर्ष करना ही सच्चा धर्म है।
- आध्यात्मिक उन्नति - सिद्धिदात्री जीवन के अंतिम लक्ष्य–मोक्ष और आत्मज्ञान–की ओर ले जाती हैं।

नवरात्रि और नौ दुर्गा भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन के हर पहलू– प्रकृति, ज्ञान, मातृत्व, शक्ति और अध्यात्म–को संतुलित करने का संदेश देता है। जब हम नौ दिनों तक दुर्गा के स्वरूपों की आराधना करते हैं, तो हम केवल देवी की पूजा नहीं करते, बल्कि भारतीय संस्कृति के गहन मूल्यों को भी आत्मसात करते हैं। यही कारण है कि नवरात्रि भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति की अद्वितीय झलक प्रस्तुत करती है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

- पीसी राठी

व्यंग्यकार और लेखक

इंदौर के ट्रैफिक और हेलमेट पर इंदौरी संवाद

पेलवान पम्प की बाजू में खड़ा होकर 'भियाराम' कर रिया था कि उसे कोई पेचान वाला मिल जाए तो हेलमेट मांगू। तभी वहां से पवन सनन जा रिया था तो पेलवान ने आवाज दी, अबे पनौती जरा अग्गे-पीछे देख, नई तो सलट जायगा। पवन बोला, पेलवान चौराये पे जवान को चकमा दे के भग के आ रिया हूं। वहां चालान कट रिया था तो मैं धीरे से खिसक लिया। पर पेलवान तुम यॉं क्या कर रिये हो। पेलवान बोले। यार भोत माथाफोड़ी है। गाड़ी में पेट्रोल जवाब दे रिया, भराने वास्ते हेलमेट नी है। पवन बोला, नी यार ! पम्प वाला की कई मजाल, आपकी तो सगला इंदौर में झांकी है।

पेलवान बोले, उस्ताद आज की डेट में पूछोई मत, पिद्दी सा छोकरा नी मान रिया। केरिया कि कैमरे में सब दिख रिया, डालूंगा तो पम्प मंगल हो जायगा। अब यार पम्प वाला भी अपनाज आदमी है,सोच रिया हूं बिचारे का उल्टा सुल्टा नी हो जाय। टेम मत कर,फुर्ती से हेलमेट दे, वो गया और वो आया। पेलवान पेट्रोल फुल कराके आया और बोला यार भोत फर्जीवाड़ा है। पवन ने पूछा, क्या? तो बोला चल ठिए पे चल के फुर्सत से बात करते हैं। पवन बोला अबी टेम नी है, भूखा भट्ट हूं। संपट नी बैठ रिया है। सीधे पंचकुइयां से आ रिया हूं। पेले घर जाके पेट में कुछ डालूंगा। पेलवान बोला, नी यार, किसका राम नाम सत्य करके आ रिया है? पवन बोला मेरे चाचा के ससुर के कजिन भाई कल चल बसे थे तो आज उनका दाग था। बस वो निपटा के सनन आ रिया था। मेरे को आपकी भाभी तो के री थी कि अपनी दूर की रिश्तेदारी है, अपने कई करनो। मैने किया आदमी सईसाट था, एक दफे हमारे यां भी काम में आया था। जाना चैये, है के नी भिया।

बात चली री थी कि दोस्त ओम उधर से तिरभिन्नाट आ रिया था और आतेई पंप के बाजू में ताकाझांकी कर रिया था। पेलवान और पवन को देख ऐसा उछला कि पुछोई मत। हेलमेट छीनकर बोला कि अभी गया और फुल कराके अभी आया। वापस आया तो पेलवान बोले अबे झंडू, तेरे सफेद झक शर्ट पे ये दाग कायके हैं। झण्डू बोला यार पलाट पे काम चालू किया है, वहीं सेज सीधा आ रिया हूं। पेलवान बोले चलो आनंद (रेस्टोरेंट) में चलके पवन की पेट पूजा करवाते हैं। पवन बोला यार नहा धोके खाऊंगा। झंडू बोला, एबले पानी के छींटे डाल ले। तो जवाब में पवन बोला यार आनंद में नी प्रशांत (रेस्टोरेंट) भोत सई रेगा। प्रशांत वाला पोये में सेंव मनमाफिक तेज करके देता है और चाय भी कड़क मीठी देगा। आनंद वाला तो कैने के बाद भी फीकी फस्स चाय देता है। चाय पीते पीते पवन बोला, मैं तो आप दोई के और इंदौर के सब पेलवान के, सब झंडू के, सब पनौती के और सब एबलों के योज केऊंगा कि कलेक्टर की बात कायको नी मान रिये हो? बात तो हमारी भलाई कीज है। साफ सफाई में जब पूरा देश में हम अग्गे हैं तो ट्रैफिक के मामले में क्यों फिसड्डी हो रिये हैं। इंदौर का नाम डुबाने में हमीज उतारू हैं। साफ सफाई में हम तबी अव्वल हुए जब सभीज ने इंदौर को चकाचक करने की ठानी। वैसीज सोगन हम सबीके खानी पड़ेगी, कि चौराया पे लाल बत्ती को बत्ती नी देंगे, गलत साइड नी घुसेंगे, हेलमेट पेनेंगे , ट्रैफिक का सगला कायदा कानून मानेंगे। इमें भलाई तो इंदौर कीज है।

कलेक्टर और अधिकारी हुन तो आज है कल नी रेगा। बिगड़ैल ट्रैफिक वास्ते हम कलेक्टर, ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम इन सबीको और इनके अधिकारीहुन की गलतियां तो बतई रिया हां, पर हमारी गलतियां तो कई गुना जियादा है। बिचारो एक ट्रैफिक जवान किने किने पकड़े,तभीज तो वो बी चालान काटवा को मस्त काम, आराम को काम कर रिया है।तो भैया साफ साफ सुनी लो, साफ सफाई का काम जैसोइ काम करीके जब तक हम खुद नी सुधरांगा तब तक अधिकारी हुन कई नी करी सके,ताली तो दोई हाथ से बजेगा।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता

भारतीय फुटबॉल में वास्तविक बदलाव वाला फैसला

सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐसे ड्राफ्ट को मंजूरी दी, जिसमें कुछ संशोधनों के साथ विभिन्न हितधारकों के सुझाव शामिल किए गए थे। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा कि न्यायालय ने ड्राफ्ट के सभी प्रावधानों की जांच की है और लगभग सभी खंडों को मंजूरी दी है। न्यायालय ने यह भी उम्मीद व्यक्त की कि नया संविधान भारतीय फुटबॉल में संस्थागत बदलाव लाएगा। सर्वोच्च न्यायालय फुटबॉल महासंघ के प्रबंधन और राष्ट्रीय स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट और लीग के संचालन की निगरानी कर रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने अभी हाल ही में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान के ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिया है। इस काम को करने के लिए एवं संविधान को अपनाने के लिए, संघ को चार सप्ताह के भीतर जल्द से जल्द एक आम सभा की बैठक बुलाने का निर्देश दिए है। न्यायमूर्ति पामिदिघंतम श्री नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा सन् 2017 में दिए गए एक फैसले के खिलाफ फुटबॉल महासंघ की याचिका पर फैसला सुनाया। इसमें उच्च न्यायालय ने खेल कार्यकर्ता और वकील राहुल मेहरा की याचिका के बाद तत्कालीन अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल सहित फुटबॉल महासंघ के पदाधिकारियों के चुनाव को रद्द कर दिया था।

सर्वोच्च न्यायालय ने खेल के महत्व को सौहार्दपूर्णता के संवैधानिक आदर्श से जोड़ा। न्यायालय ने कहा कि कानून के माध्यम से लागू किए जा सकने वाले अधिकारों के विपरीत, सौहार्दपूर्णता न्यायिक आदेश अधिकारों के लिए उत्तरदायी नहीं है। सौहार्द्रपूर्ण को, एकता, विश्वास और साझा प्रयासों के जीवित अनुभव के माध्यम से पोषित किया जाना चाहिए। भारत में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और यहां तक कि मोहल्ला खेल एक कर्म भूमि के रूप में कार्य करते हैं। यहां गठबंधन और सामूहिक उद्देश्य साझा रूप लेते हैं। ये व्यक्तिगत और विविध सामाजिक, भाषाई और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की साझा खोज के तहत एक साथ लाये जाते हैं। यह भाईचारे के संवैधानिक मूल्य को मूर्त रूप देते हैं, जहां व्यक्तिगत और सामूहिक आकांक्षाएं एकजुट होने का रास्ता खोजती हैं।

सर्वोच्च न्यायालय फुटबॉल महासंघ के प्रबंधन और राष्ट्रीय स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट और लीग के संचालन की निगरानी कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐसे संविधान के ड्राफ्ट को मंजूरी दी, जिसमें कुछ संशोधनों के साथ विभिन्न हितधारकों के सुझाव शामिल किए गए थे। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा कि न्यायालय ने ड्राफ्ट के सभी प्रावधानों की जांच की है और लगभग सभी खंडों को मंजूरी दी है। न्यायालय ने यह भी उम्मीद व्यक्त की कि नया संविधान भारतीय फुटबॉल में संस्थागत बदलाव लाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हमें दृढ़ आषा है कि एक बार अपनाए जाने के बाद संविधान भारतीय फुटबॉल की एक नई शुरूआत करेगा और खेल को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएगा। फुटबॉल महासंघ के वर्तमान पदाधिकारियों के चुनाव को अंतिम मानते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि उनके कार्यकाल का केवल एक साल बचा है। इसे बाधित करने का कोई मतलब नहीं है। केवल एक साल बचा होने से प्रतियोगिता अनावश्यक है। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा कि इसे बीच में खत्म का कोई मतलब नहीं है।

फैसले के बाद, न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने टिप्पणी की कि ''हमें उम्मीद है कि इससे फुटबॉल की दुनिया में वास्तविक बदलाव आएगा क्योंकि संस्थागतकरण होने जा रहा है। खेलों का प्रभाव केवल खेल नहीं है। देश और हमारे मानस पर इस खेल का प्रभाव है। इसलिए हमने इस बात पर ध्यान दिया है कि खेल में सौहार्द्रपूर्ण इतनी महत्वपूर्ण क्यों हैं? ये ऐसे साधन और तरीके हैं जिनके द्वारा सौहार्दपूर्ण के अन्य सिद्धांतों को एक साथ लाया जा सकता है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में यह पाया था कि चुनावों ने राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन किया था। उसने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी को प्रशासक नियुक्त किया। कुरैशी को सदस्यता विवादों को हल करना था तथा एक नई चुनावी सूची तैयार करनी थी। खेल संहिता के अनुपालन में चुनाव कराना था। यह भी सुनिश्चित करना था कि फुटबॉल महासंघ संविधान को चुनाव के एक नए दौर से पहले संहिता के अनुरूप संशोधित किया जाए। दिल्ली उच्च न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ अपील प्रस्तुत की गई। जब मामला सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष आया तो सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावों को सुविधाजनक बनाने और एक नया संविधान तैयार करने के लिए प्रशासकों की तीन सदस्यीय

समिति का गठन किया। संविधान के मसौदे को हितधारकों को टिप्पणियों, आपत्तियों और सुझावों के लिए प्रसारित किया गया। मई 2023 में, अदालत ने पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव को फीफा, भारतीय ओलंपिक संघ, युवा मामले और खेल मंत्रालय, राज्य संघों, राहुल मेहरा, फुटबॉल महासंघ और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) सहित विभिन्न हितधारकों से प्राप्त ड्राफ्ट और इनपुट पर विचार करने के लिए नियुक्त किया, जो निजी फुटबॉल फ्रेंचाइजी चलाते हैं। न्यायमूर्ति राव को सभी हितधारकों को सुनने के बाद एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। जब प्रक्रिया चल रही थी, तब अदालत ने संविधान को अंतिम रूप दिए जाने तक फुटबॉल महासंघ पर किसी भी बाध्यकारी अनुबंध में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया। इस बीच, राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 लागू किया गया। इससे राष्ट्रीय खेल निकायों के लिए नई आवष्यकताएं पैदा हुई। इसी समय, फुटबॉल महासंघ और उसके वाणिज्यिक भागीदार एफएसडीएल इंडियन सुपर लीग के आयोजन की शर्तों पर सहमत होने में असमर्थ थे। 2 सितंबर, 2025 को, 2025-26 के करीब आने और इंडियन सुपर लीग पर अनिश्चितता के साथ, सर्वोच्च न्यायालय ने फुटबॉल महासंघ और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और फुटबॉल महासंघ को निविदा जारी करने की अनुमति देने तक प्रतिबंध हटा दिया गया।

उच्चतम न्यायालय ने फुटबॉल महासंघ को सुपर कप और अन्य प्रतियोगिताओं सहित फुटबॉल प्रतियोगिताओं को समय पर शुरू करने के लिए उपाय करने और इंडियन सुपर लीग के लिए अपने वाणिज्यिक भागीदार का चयन करने के लिए एक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के लिए निविदाएं जारी करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति राव को यह सुनिश्चित करने का भी काम सौंपा गया है कि लीग के संचालन के लिए एक सक्षम और प्रतिष्ठित फर्म को वाणिज्यिक भागीदार के रूप में नियुक्त किया जाए। न्यायमित्र पूर्व न्यायमूर्ति श्री राव ने न्यायालय के समक्ष एक तथ्य भी प्रस्तुत किया कि न्यायालय द्वारा जांचा गया संविधान का ड्राफ्ट काफी हद तक नए अधिनियम के अनुरूप ही है। लेकिन इस पर कुछ वकीलों ने स्वायत्तता के बारे में चिंता भी व्यक्त की है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वह संविधान के मसौदे पर अपने फैसले को अंतिम रूप देने से पहले उनकी सभी दलीलों पर विचार करेगी।

गांधीजी की लंगोटी : सादगी से स्वराज तक

अरुण कुमार डनायक

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता व समाजसेवी हैं)

22 सितम्बर 1921, मदुरै—यह दिन गांधीजी के जीवन और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक अनूठा मोड़ था। इसी दिन उन्होंने टोपी, कुर्ता और धोती त्यागकर सिर मुड़वा लिया और केवल लंगोटी पहनने का निश्चय किया। बुनकरों की सभा में बोलते हुए उन्होंने कहा—'करोड़ों लोग इतने गरीब हैं कि छोड़े हुए विदेशी कपड़ों की जगह खादी खरीद ही नहीं सकते। उन्हें मैं सलाह देता हूँ कि घुटनों तक की एक लंगोटी से ही संतोष करें।' उसी क्षण उन्होंने घोषणा की कि आगे से वे टोपी और सदरी भी नहीं पहनेंगे और केवल लंगोटी तथा आवश्यकता पड़ने पर शरीर ढकने के लिए एक चादर से काम चलाएँगे। गांधीजी का यह निर्णय आकस्मिक नहीं था। इसके पीछे वर्षों की साधना, अनुभव और जनता के साथ आत्मीय एकता की भावना थी। दक्षिण अफ्रीका में वकालत करते समय मोहनदास करमचंद गांधी आधुनिक सभ्यता के प्रतीक सूट-बूट पहनते थे, लेकिन अदालत में पगड़ी पहनकर जाना चाहते थे। 1893 में डरबन की अदालत में जब उनसे पगड़ी उतारने का आदेश दिया गया तो उन्होंने इंकार कर दिया—यह उनके आत्मसम्मान की पहली उद्घोषणा थी।

भारत लौटकर उन्होंने धोती, कुर्ता और पगड़ी वाली काठियावाड़ी वेशभूषा धारण की। चंपारण आंदोलन में भी वे इन्हीं वस्त्रों में नज़र आए। धीरे-धीरे उनका जीवन और अधिक सादा होता गया। 31 अगस्त 1920 को उन्होंने हाथ से काते सूत के वस्त्र पहनने की प्रतिज्ञा ली और पगड़ी त्यागकर टोपी धारण की। यही टोपी आगे चलकर 'गांधी टोपी' के नाम से प्रसिद्ध हुई, यहाँ तक कि ब्रिटिश सरकार ने अपने कर्मचारियों को इसे पहनकर दफ़्तर आने पर प्रतिबंध लगा दिया और शॉ वैलेस एंड कंपनी ने तो एक कर्मचारी कुशालकर को, जवाब देने का अवसर दिए बिना ही, गांधी टोपी पहनने का साहस दिखाने के कारण बर्खास्त कर दिया। भारतीय समाज में पगड़ी सम्मान का प्रतीक मानी जाती थी और नंगे सिर रहना शोक का चिह्न, किंतु गांधीजी ने यह दिखाया कि असली गरिमा वस्त्रों में नहीं, बल्कि सादगी और विनम्रता में है। गांधीजी के लिए वस्त्र परिवर्तन सुविधा नहीं, निर्धन जनता से एकात्मता का संकल्प था। वे कहते थे—'भारत के करोड़ों किसानों की पोशाक तो लंगोटी ही है, वे इससे अधिक कुछ पहनते ही नहीं हैं।' गांधीजी का विश्वास था कि जिस कार्य को वे स्वयं न कर सकें, उसकी सलाह वे दूसरों को भी नहीं दे सकते।

1921 में दो अक्टूबर को नवजीवन में प्रकाशित लेख में उन्होंने स्वीकार किया कि खुलना के अकालग्रस्त लोग अन्न के बिना मर रहे थे और उसी समय विदेशी वस्त्रों की होली जलाने के उनके अभियान पर कटाक्ष किए गए। उस क्षण उनके भीतर गहरा द्वंद्व उठा और बारिसाल में उन्होंने वस्त्र त्यागने का निर्णय लगभग ले ही लिया था। मौलाना मुहम्मद अली की वाल्टेयर में गिरफ्तारी के समय भी उनके मन में वस्त्र त्याग का विचार आया, किंतु उन्होंने सोचा कि उस समय ऐसा कदम भावुकता या दिखावे का प्रतीक लगेगा। इसलिए उन्होंने धैर्य रखा और उचित क्षण की प्रतीक्षा की। मौलाना की गिरफ्तारी पर 22 सितम्बर 1921 को यंग इंडिया में उन्होंने लिखा—'विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार कीजिए, चाहे लंगोटी में ही क्यों न गुज़ारा करना पड़े।' मद्रास यात्रा के दौरान भी आलोचना हुई— लोगों का कहना था कि विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार करना व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि न तो पर्याप्त मात्रा में खादी उपलब्ध है और न ही निर्धन जनता के पास इतना धन है कि वह अपेक्षाकृत महँगी खादी खरीद सके। गांधीजी ने गहन विचार के बाद निश्चय किया कि यदि वे स्वयं वस्त्र त्याग का आदर्श प्रस्तुत करें तो ही यह आंदोलन सशक्त होगा। यही वह क्षण था जब उन्होंने अपने मित्र राजाजी के सामने लंगोटी धारण करने का संकल्प लिया। अपना पहनावा बदलने का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि जब तक अमीर-गरीब सभी को पर्याप्त स्वदेशी वस्त्र उपलब्ध नहीं हो जाते, तब तक वे केवल एक छोटा-सा कपड़े का टुकड़ा पहनेंगे। आरंभ में यह संकल्प 31 अक्टूबर तक सीमित था, किंतु बाद में उन्होंने इसे आजीवन स्वीकार कर लिया। 1931 में द्वितीय गोलमेज सम्मेलन के लिए जब वे लंदन गए, तो वहाँ की ठिठुरती सर्दी में भी वे केवल लंगोटी और चादर में पहुँचे। ब्रिटिश नेता विंस्टन चर्चिल ने कटाक्ष किया—'भारत का भविष्य एक आधे नग्न फकीर के हाथों में है।' परंतु गांधीजी अप्रभावित रहे। सबसे उल्लेखनीय क्षण तब आया जब वे बकिंघम पैलेस में ब्रिटिश सम्राट जॉर्ज पंचम से मिलने पहुँचे। पत्रकारों ने उनसे पूछा—'आप इतने कम कपड़ों में सम्राट के सामने कैसे पहुँच गए?' गांधीजी ने मुस्कराकर उत्तर दिया—'राजा ने तो इतना सब पहन रखा था कि हम दोनों की पोशाक मिलकर पूरी हो गई।' इस उत्तर में विनोद भी था और निर्भीक आत्मबल भी। गांधीजी की लंगोटी केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं थी, स्वदेशी आंदोलन की सजीव व्याख्या थी।। यह भारत की निर्धन जनता के साथ उनकी आत्मीयता और न्यूनतम आवश्यकताओं में जीवनयापन का आदर्श थी। टोपी और सदरी त्यागने का उनका संकल्प व्यक्तिगत था, इसे उन्होंने किसी अन्य कार्यकर्ता या साथी पर लागू नहीं किया था तथापि उनके आचरण से मौलाना आज़ाद और अली बंधु जैसे नेता भी वस्त्रों में सादगी अपनाने लगे। देशभर में स्वदेशी की लहर फैल गई। स्त्री-पुरुष, अमीर-गरीब सभी खादी पहनकर उनकी सभाओं में पहुँचने लगे। विवाह-समारोहों में नवदम्पत्ति खादी के वस्त्र पहनकर फेरे लेने लगे। गांधीजी की लंगोटी ने यह संदेश दिया कि भारत की स्वतंत्रता विलासिता से नहीं, बल्कि त्याग और आत्मबल से आएगी। गांधीजी की यह यात्रा केवल बाहरी परिधान की नहीं, बल्कि आत्मा के शोधन और समाज के साथ आत्मीयता की यात्रा थी। आधुनिक सभ्यता के प्रतीक सूट से लेकर सादगी और स्वदेशी के प्रतीक लंगोटी तक पहुँचकर उन्होंने दिखाया कि नेतृत्व केवल विचारों से नहीं, बल्कि जीवन की प्रत्येक क्रिया से प्रकट होता है। ब्रिटिश सम्राट के सामने लंगोटी में खड़े होकर वे संसार से यही कह रहे थे कि असली गरिमा वस्त्रों में नहीं, बल्कि आत्मबल में है। यही उनकी अमर विरासत है। गांधीजी की लंगोटी आज भी हमें स्मरण कराती है कि सादगी ही सबसे बड़ी शक्ति है और स्वदेशी ही स्वराज का पहला कदम।

उम्मीद मत छोड़ो, जीवन को रस से भरा रखो

... और क्या कह रही है ज़िंदगी

ममता तिवारी

लेखक साहित्यकार हैं।

बहुधा होता यूँ है कि जिस तरह हम सब स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं, कोई डायटीशियन की सलाह ले रहा है, कोई एंजाइम देख रहा है, कोई प्रोटीन कम कर रहा है तो कोई ज़्यादा। कोई कार्बोहाइड्रेट नहीं लेना चाहता, कोई ग्लूटिन फ्री भोजन करता है। बहुत सी और भी बातें आती है। फिर हम थक जाते है और दूसरा प्लान लेते है या सप्ताहांत में चीट डे मनाते है जिसमें हम तमाम चाट, पकौड़ी, पिज़्ज़ा बर्गर सब खाते है। यहाँ तक कि नवदुर्गा उत्सव के नौ दिन में भी हम यू-ट्यूब से भिन्न भिन्न स्वाद की व्रत रेसिपी ट्राय करते हैं पर क्या इससे जिंदगी में स्वाद और रस आ जाता है?

नहीं, आप समझे नहीं। ये सारी बातें ज़ुबान के स्वाद की थी और ज़ुबान बहुत चटोरी होती है चलिये पहले साधारण खाने को स्वादिष्ट कैसे बनाया जाए सीखे। पहले मैं मात्र 10 मिनट में हड़बड़ी में 2-3 रोटी चावल, सलाद, दाल, दही खाकर लंच निपटा देती थी। पेट भी फुला सा लगता और आलस भी बहुत आता। शाम तक डकारे आने लगती। गला सूखता और मन है कि शाम को पानी पूरी के लिए मचलता। अभी हाल ही मैं श्री श्री रविशंकर के हैप्पीनेस शिविर से लौटी तब मैंने जीवन में साधारण खाने में रस लेना सीखा। उन्होंने हमें मात्र एक अंगूर दिया जिसे पहले हाथ में लेकर देखने को कहा। कुछ वैसे ही आप अपनी साधारण खाने की थाली को देखें। जितना भोजन आपने परोसा है उसका आधा कर दें। इस विधि में आप मान ले कि आप इससे ज़्यादा खा भी नहीं पाएंगे। फिर अंगूर को नाक के पास होंठ पर स्पर्श कराएं। यहाँ आप अपनी रोटी को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट लें। अब ये नहीं कि एक रोटी खाना है तो आप बड़ी मोटी बनवा लें आप जितनी चाहे रोटी खाये पर विधि धीमी होनी चाहिये। कम से कम आधे घंटे में भोजन समाप्त करें। पूरा ध्यान भोजन की थाली पर केंद्रित करें। व्यंजनो पर केंद्रित करें। जब अंगूर मुँह में डाला और उसे जीभ के ऊपर नीचे रोल करने लगे और पहला दबाव उस पर डाला तो वाह-वाह क्या स्वाद आया। भोजन का पहला कौर ईश्वर को आभार देते हुए मुँह में डाले और थोड़ा चबाएं।

फिर उन्होंने हमें दूसरी, तीसरी बार चबाने को कहा। सच कहूँ उतना छोटा सा अंगूर मुँह में लालच का ढ़ेर सा सलाइवा बना रहा था फिर उन्होंने धीरे से पूरा चबा के खा लेने को कहा। उस एक अंगूर में 10 अंगूरों का स्वाद था। शायद 10 अंगूरों में ही हम तृप्त हो जाएंगे अगर इस तरह खाएंगे। उसी तरह रोटी के उस कौर को हम (वैसे तो 32 बार कहा जाता है) पर शुरूआत कम से कम 20 बार चबाएं। आप जब रोटी खत्म करने की कगार पर होंगे तो आपका पेट भर जाएगा। ज़ाहिर सी बात है उसमें दाल, सब्जी, दही, सलाद भी है। तो यूँ आपका भोजन पूर्ण हुआ।

बिल्कुल इसी तरह विपश्यना में हमें भोजन का एक तरीका और मिला। चूंकि आजकल व्यस्तता की वजह से इतवार को सारा परिवार एक साथ बैठता है। खूब गप्पें, शोर शराबा होता है। उस दिन विशेष भोजन भी बनता है। उस एक दिन को आप चाहे तो वैसे ही रखिये। विपश्यना में हमें दीवार की तरफ मुँह करके सामने थाली रख बिना किसी और की तरफ देखे भोजन पर केंद्रित हो खाना सिखाया जाता है। रेकी में हमें सिखाया गया किस तरह प्रेम करने वाले जब भोजन बनाते है तो आपका स्पर्श उस खाने को दोगुना स्वादिष्ट बना देता है और पाचन में सरल भी हो जाता है। जैसे 'माँ के हाथ का खाना' उससे ज़्यादा स्नेह का स्पर्श किसी का नहीं होता है।

ये बात हो गई कैसे साधारण भोजन को रासयुक्त, स्वाद से भरपूर बनायें और जुबाँ को खुश करें और ज़िंदगी क्या?

क्या ज़िंदगी में जो चीजें आप ग्रहण कर रहे हैं तो क्या उससे रस मिल रहा है, आनंद आ रहा है, बोर हो रहे हैं, कुछ अच्छा नहीं लग रहा। उसी भोजन की तरह जीवन रस को भी धैर्य से बढ़ाना होगा। मसलन बचपन में माँ बच्चे को पढ़ना सिखा रही है। थोड़ा आपके धैर्य की परीक्षा होगी। उसे बिगाड़ने दे, फैलाने दे अक्षर। बस मारे डांटे नहीं। एक दिन वो बहुत अच्छे अक्षर उकेरेगा। हमेशा युवाओं को नौकरी के लिए दबाव बनाना व अच्छे नंबर लाने का प्रेशर ये सब उसके हंसते खेलते कॉलेज के दिन, नौकरी के संघर्ष के रस को कम कर देंगे। जी हाँ संघर्ष भी रसयुक्त हो सकता है बशर्ते रोज़ आप धैर्य से काम ले और रात में खुद से कहें शायद मेरे लिये ऊपर वाले ने कुछ और अच्छा सोच रक्खा है और सुबह नये उत्साह से उठेंगे।

तुम सोच रहे हो ज़िंदगी में क्या रक्खा है
उसने तुम्हारे लिये कुछ और अच्छा प्लान रक्खा है

तो उम्मीद मत छोड़ो जीवन को रस से भरे रखो। फिर लोगों को प्रेम में हड़बड़ी होती है खासतौर से लड़कियों को, भई प्रेम की तासीर तो देखो। आराम से पहले दिन से तुम प्रस्ताव की कामना करने लगती हो। शादी के बाद सब चाहती हैं, कि घर पर पूरा कब्ज़ा हो जाए। सब उनकी सराहना करें। इसके लिये भी आनंद लेकर धीरे धीरे एक एक कदम आग बढ़ायें तब पति और सास के दिल में जगह बनेगी। बचत की जल्दी है अभी ज़्यादा पैसा नहीं है। 10 रूपये से ही शुरू करें और छोटी बचत का आनंद लें। बॉस को एकदम पटाने ना लग जाएं। पहले अपने कठोर परिश्रम से उनका दिल जीतें फिर नौकरी में मज़ा आने लगेगा। अपनी कंपनी समझ के काम करेंगे। जिन्होंने ये सोचकर कि दूसरों की नौकरी और दूसरों की बीबी परिवार ज़्यादा अच्छा है अपना जीवन रसहीन बना रखा है। उन्हें भी थोड़ा धीरे धीरे आगे बढ़ना होगा। बातें तो बहुत हैं दोस्ती, रिश्तेदारी, परिवार समाज, सब को रसमय बनाएं। अंगूर की तरह रस ले कर संबंध बनायें और पूछते रहें सभी से और क्या कह रही है ज़िंदगी?

महान समाज सुधारक थे महाराजा अग्रसेन

जयन्ती पर विशेष

- रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

महान राजा और समाज सुधारक महाराजा अग्रसेन ने अग्रवाल समुदाय की स्थापना की और समाज के लिए समानता, सामाजिक कल्याण, और भाईचारे के सिद्धांतों को बढ़ावा दिया। इस दिन को उनके विचारों और आदर्शों के प्रति समर्पण दर्शाने और सामुदायिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से उनके संदेश को फैलाने के लिए मनाया जाता है। महाराजा अग्रसेन का जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को महाराजा वल्लभ सेन के घर हुआ था। जिसे दुनिया भर में अग्रसेन जयंती के रूप में मनाया जाता है। राजा वल्लभ के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये थे। अग्रसेन महाराज वल्लभ के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था कि यह बालक बहुत बड़ा राजा बनेगा। इस के राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों वर्ष बाद भी इनका नाम अमर होगा। उनके राज में कोई दुखी या लाचार नहीं था। बचपन से ही वे अपनी प्रजा में बहुत लोकप्रिय थे।

महाराजा अग्रसेन ने शासन प्रणाली में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया था। उन्होंने वैदिक सनातन आर्य सस्कृति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की स्थापना की थी। महाराजा अग्रसेन एक कर्मयोगी थे जिन्होंने सभी के लिए समृद्धि की कामना की। उन्होंने अहिंसा का आदर्श अपनायाजिसमें उन्हें पशु बलि की निरर्थकता का एहसास हुआ। इस अहसास ने उन्हें 'अहिंसा' के सशक्त नायकों में से एक बना दिया।उन्होंने सभी जानवरों की बलि पर प्रतिबंध लगा दिया। हालाँकि अहिंसा में उनके विश्वास का मतलब उत्पीड़न का विरोध न करना नहीं था बल्कि उन्होंने आत्मरक्षा को बढ़ावा दिया। महाराज अग्रसेन ने नाग लोक के राजा कुमद के यहां आयोजित स्वंयवर में राजकुमारी माधवी का वरण किया। इस विवाह से नाग एवं आर्य कुल का नया गठबंधन हुआ। माता लक्ष्मी की कृपा से श्री अग्रसेन के 18 पुत्र हुये। राजकुमार विभु उनमें सबसे बड़े थे। महर्षि गर्ग ने महाराजा अग्रसेन को 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया।

महाराजा वल्लभ के निधन के बाद अपने नये राज्य की स्थापना के लिए महाराज अग्रसेन ने अपनी रानी माधवी के साथ सारे भारतवर्ष का भ्रमण किया। इसी दौरान उन्हें एक जगह शेर तथा भेड़िये के बच्चे एक साथ खेलते

मिले। उन्हें लगा कि यह दैवीय संदेश है जो इस वीरभूमि पर उन्हें राज्य स्थापित करने का संकेत दे रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रेयगण रखा गया जिसे अग्रोहा नाम से जाना जाता है। वह जगह आज के हरियाणा के हिसार के पास हैं। आज भी यह स्थान अग्रहरि और अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ के समान है। यहां महाराज अग्रसेन और मां लक्ष्मी देवी का भव्य मंदिर है।

महाराजा अग्रसेन पर अनगिनत पुस्तके लिखी जा चुकी हैं। सुप्रसिद्ध लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र जो खुद भी अग्रवाल समुदाय से थे। उन्होने 1871 में अग्रवालों की उत्पत्ति नामक एक प्रामाणिक ग्रंथ लिखा है। जिसमें विस्तार से इनके बारे में बताया गया है। 24 सितंबर 1976 में भारत सरकार द्वारा 25 पैसे का डाक टिकट महाराजा अग्रसेन के नाम पर जारी किया गया था। सन 1995 में भारत सरकार ने दक्षिण कोरिया से 350 करोड़ रूपये में एक विशेष तेल वाहक पोत (जहाज) खरीदा जिसका नाम महाराजा अग्रसेन रखा गया। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 10 का आधिकारिक नाम महाराजा अग्रसेन पर है।

आज का अग्रोहा ही प्राचीन ग्रन्थों में वर्णित अग्रवालों का उद्गम स्थान आग्रेय है। अग्रोहा हिसार से 20 किलोमीटर दूर महाराजा अग्रसेन राष्ट्र मार्ग संख्या 10 के किनारे एक साधारण गांव के रूप में स्थित है। जहां पांच सौ परिवारों की आबादी रहती है। इसके समीप ही प्राचीन राजधानी अग्रेह (अग्रोहा) के अवशेष के रूप में 650 एकड भूमि में फैला महाराजा अग्रसेन धाम हैं। जो महाराज अग्रसेन के अग्रोहा नगर के गौरव पूर्ण इतिहास को दर्शाता हैं।

पांच हजार वर्ष पहले महाराज अग्रसेन द्वारा प्रतिपादित समानता, समाजवाद और अहिंसा के विचार भारत के वर्तमान संविधान की भावना हैं। लेकिन हम भारतीय इन आदर्शों को अपने जीवन में नहीं उतार पाए हैं। वे हमारे संविधान में केवल शब्द बनकर रह गए हैं। अब यह हम पर निर्भर है कि हम अपने पूर्वज को श्रद्धांजलि के रूप में इन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। महाराजा अग्रसेन जी ने हमें व्यापार और आर्थिक विकास के सिद्धांत दिए थे। वहीं वैदिक धर्म, संस्कृति और आदर्शों का पालन करते हुए समाज के सभी वर्ग के लोगों की उन्नति के लिए समान अवसरों के निर्माण पर भी उन्होंने जोर दिया था।

डॉ. जवाहर कर्णावट को बीसीसीएल का राष्ट्रीय राजभाषा सम्मान

भोपाल। देश की प्रसिद्ध मिनिरत्न कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड का राजभाषा सम्मान 2025 भोपाल के सुप्रसिद्ध लेखक, वक्ता एवं हिंदी की वैश्विक पत्रकारिता के अध्येतक डॉ जवाहर कर्णावट को प्रदान करने की घोषणा हुई है। इस सम्मान के अंतर्गत डॉ. कर्नावट को रुपए इक्कीस हजार की राशि और सम्मान पट्टिका कंपनी के धनबाद स्थित मुख्यालय में 27 सितंबर को आयोजित भव्य समारोह में में प्रदान की जाएगी।सन 2005 से स्थापित यह सम्मान अभी तक देश के ख्याति प्राप्त विद्वानों –डॉक्टर नामवर सिंह, गौतम सान्याल ,डॉ रामदयाल मुंडा, शिव कुमार मिश्रा , सत्य व्यास ,प्रोफेसर उदय नारायण सिंह बालेंदु शर्मा आदि को प्राप्त हो चुका है। उल्लेखनीय है कि डॉ. कर्नावट ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा में महाप्रबंधक (राजभाषा) के पद पर रहते हुए राजभाषा के क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान स्थापित किए। वर्तमान में आप रबींद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक और प्रवासी भारतीय शोध केंद्र के सलाहकार हैं।

साहित्य समाज को दिशा देता है : विश्वास सारंग

भोपाल। साहित्य समाज को दिशा देने का कार्य करता है। महिला लेखिकाएँ अपनी रचनाओं से समाज को नई दिशा दे रही हैं — यह विचार सहकारिता एवं खेल मंत्री विश्वास सारंग ने हिंदी लेखिका संघ मध्यप्रदेश के 30वें स्थापना दिवस समारोह में व्यक्त किए। आपने प्रदेश की लेखिकाओं को रचना कर्म में प्रोत्साहित करने के लिए संस्था को बधाई दी। इसके पूर्व संघ की अध्यक्ष डॉ साधना गंगराड़े ने स्वागत भाषण में महिलाओं की साहित्य सृजन कर्म में निरंतरता एवं रचना धर्मिता बताते हुए संस्था के 30 वर्षों की उपलब्धियों एवं अवदान को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि पद्म श्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा साहित्य में आत्मावलोकन होता है जो महिलाएं अच्छा लेखन कार्य कर रही है उन्हें समुचित प्रोत्साहन मिले। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं डॉ वीणा घाणेकर ने कहा महिला लेखन आकाश की ऊंचाइयां सागर की गहराइयों को नाप रही है। इस अवसर पर छह पुस्तकों का विमोचन हुआ, जिनमें डॉ. साधना शुक्ला का काव्य संग्रह पारमिता, डॉ. नीलिमा रंजन की समीक्षा पुस्तक आपने बुनी हमने गुनी, मधुलिका सक्सेना की लघुकथा एक ही कश्ती पर सवार, कमल चंद्रा का लघुकथा संग्रह बूँद बूँद बातें, मधुलिका श्रीवास्तव का उपन्यास अंतर कथा तथा बबीता चतुर्वेदी 'रिमझिम' का काव्य संग्रह अंजुरी भर अक्षर शामिल हैं। इसके साथ ही लेखिका संघ द्वारा भोपाल शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय शालाओं में भाषण एवं कविता प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिए गए। रचना शिविर की विजेता बहनों का भी सम्मान हुआ। सरस्वती वंदना प्रस्तुति मांडवी सिंह , संचालन कीर्ति श्रीवास्तव एवं आभार डॉ वर्षा चौबे ने व्यक्त किया।

शहर में जगह-जगह सजे दुर्गा पंडाल, आज विराजेंगी मां जगदंबा

नौ दिनों तक होगी मां की विशेष पूजा-अर्चना, मंदिरों में लगेगा भक्तों के तांता

बैतूल। शारदीय नवरात्र का पावन पर्व आज 22 सितंबर से प्रारंभ हो जायेगा और मां दुर्गा के जयघोष के साथ पूरे शहर में नवरात्रि की भव्य धूम मच जाएगी। शहर में जगह-जगह दुर्गा पंडालों की सजावट को रविवार श्रद्धालुओं ने अंतिम रूप दिया, जहां पर माता जगदंबा की प्रतिमाएं स्थापित की जाएगी, जहां श्रद्धालु नवरात्रि नौ दिनों तक आराधना और भजन-कीर्तन करेंगे। इसके साथ श्रद्धालुओं के द्वारा पंडालों में गरबा, डांडिया के साथ जगराता किया जाएगा। गौरतलब है कि नवरात्र पर्व को लेकर एक-दो दिन पहले से ही बाजार सहित प्रमुख मागों और चौराहों पर धार्मिक माहौल दिखने लगा है। शहर के कोठीबाजार, टिकारी, गंज क्षेत्र सहित अन्य कॉलोनियों में श्रद्धालुओं द्वारा दुर्गा पंडाल सजाया जा रहा है। मौसम के मिजाज को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं ने दुर्गा पंडालों को वाटरप्रूफ बनाया है, ताकि नवरात्र महोत्सव के दौरान होने वाली बारिश से किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

चौकस रहेगी सुरक्षा व्यवस्था – नवरात्र के चलते शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिला प्रशासन द्वारा नवरात्र पर्व के दौरान शहर में सजने वाले दुर्गा पंडालों, मंडलों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया जाएगा। इधर प्रशासन ने शहर के लोगों से आह्वान किया है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें, संदिग्ध वस्तुओं और गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें और परिवार के साथ ही मंदिर या पंडाल में आएं। पंडालों को निर्देशित किया है कि अग्नि से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के लिए फायर एक्सटिंग्विशर एवं पानी का ड्रम आवश्यक रूप से रखें। वहीं बड़े दुर्गा पंडालों, जागरण कार्यक्रमों, गरबा स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जाए। प्रसाद वितरण की व्यवस्था ऐसी रहे कि जिससे किसी प्रकार की आमजनों को असुविधा न हो।

हाथी पर सवार होकर आएंगी माता – पंडितों के अनुसार इस वर्ष शारदीय नवरात्र की शुरुआत 22 सितंबर सोमवार से हो रही है। मां दुर्गा को समर्पित यह पर्व 1 अक्टूबर दिन बुधवार तक चलेगा। वहीं 2 अक्टूबर को विजयदशमी यानी दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। उन्होंने बताया कि नवरात्र सोमवार को शुरू होने के कारण माता का वाहन हाथी होता है। हाथी पर सवार होकर माता का आगमन हो रहा है। वहीं माता रानी का प्रस्थान मनुष्य के कंधे पर होगा। वैसे रविवार से ही मातारानी की प्रतिमाओं को पंडालों तक ले जाने का सिलसिला शुरू हो गया था। जहां आज शुभ मुहूर्त पर मातारानी की विधिविधान से पूजा-अर्चना की जायेगी।

घट स्थापना का शुभ मुहूर्त– पंडितों के अनुसार वैदिक पंचांग के अनुसार सोमवार को दो शुभ मुहूर्त हैं। सुबह 6.9 बजे से 8.6 बजे तक है। दूसरा मुहूर्त अभिजीत मुहूर्त में 11.46 बजे से दोपहर 12.38 बजे तक है। इन दोनों में से किसी भी मुहूर्त घटस्थापना कर सकते हैं। इस दिन सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें। इसके बाद मंदिर की साफ-सफाई करें। बता दें, कलश स्थापना के लिए घर की उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा को शुभ माना जाता है। कलश में साफ जल भरकर उसमें सिक्का, फूल और अक्षत डालें। इसके बाद कलश पर स्वास्तिक बनाएं और कलावा लपेट दें। लाल चुनरी में नारियल को लपेटकर कलश के ऊपर रख दें। देसी घी का दीपक जलाकर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करें। व्रत कथा का पाठ करें। फल और मिठाई का भोग लगाएं।

बाजार में बिकने आई प्रतिमाएं – नवरात्र के लिए बाजार में रौनक बढ़ गई है। दुकानों पर मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमाएं बिकने लगी हैं। मिट्टी से बनी छोटी-बड़ी मूर्तियां दुकानदार ग्राहकों को उपलब्ध करा रहे हैं। साथ ही चुनरी, माता की सिंगार सामग्री, नारियल, कलश और पूजा सामग्री की भी बिक्री शुरू हो गई है। बाजार में इस बार प्रतिमाओं के दाम पिछले साल की तुलना में थोड़े बढ़े हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद श्रद्धालु माता की प्रतिमा खरीदने में पीछे नहीं हैं। दुकानदारों का कहना है कि नवरात्र पर्व को देखते हुए लोगों में काफी उत्साह है। सुबह से ही महिलाएं और परिवारजन बाजार पहुंचकर प्रतिमाएं और पूजन सामग्री खरीद रहे हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि आज नवरात्रि के प्रथम दिवस प्रतिमाओं और पूजा सामग्री की बिक्री और तेजी से बढ़ेगी।

49 हजार 370 नवसाक्षरों ने दी उल्लास परीक्षा

लक्ष्य से आगे निकला बैतूल, साक्षरता की राह पर इतिहास रचा

बैतूल। जिले में शिक्षा का नया इतिहास रचते हुए 20 सितम्बर को उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा भव्य और उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। जिले के सभी 10 विकासखंडों में एक साथ आयोजित इस परीक्षा में राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा निर्धारित 56550 के लक्ष्य के विरुद्ध लगभग 49370 नवसाक्षरों को शामिल कराया गया। यह जानकारी जिला परियोजना समन्वयक भूपेन्द्र सिंह वरकडे ने दी। उन्होंने बताया कि जिले के 1540 सामाजिक चेतना केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक यह परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वे वयस्क शामिल हुए जिन्होंने औपचारिक शिक्षा नहीं पाई या जो यूनेस्को की परिभाषा के अनुसार थोड़ा बहुत पढ़-लिख सकते हैं, लेकिन सही समझ और व्याख्या करने में सक्षम नहीं हैं अथवा जिनके पास कोई वैध शैक्षणिक दस्तावेज नहीं है। सुबह से ही सामाजिक चेतना केन्द्रों पर लोगों का जमावड़ा लगने लगा। परीक्षा स्थल पर पहुंचे नवसाक्षरों का स्वागत तिलक, फूलमालाओं और गुलदस्तों से किया गया। कई केन्द्रों पर टेंट लगाए गए और परिसर में रंगोली सजाई गई। माहौल पूरी तरह उल्लास और उत्साह से भरपूर रहा।

जिला शिक्षा केन्द्र बैतूल की टीम ने दिया अहम योगदान – उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के कुशल मार्गदर्शन और जिला पंचायत बैतूल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। जिले में दिए गए लक्ष्य से अधिक नवसाक्षरों को परीक्षा में शामिल कराने में जिला शिक्षा केन्द्र बैतूल की टीम ने अहम योगदान दिया। इसमें गणेश प्रसाद सोनी (वित्त लेखा अधिकारी), एपीसी वासुदेव धोटे, एपीसी राजेश तुरिया, जिला सह समन्वयक कुशलेश धाडसे, बाबू साहू और मुकेश देशमुख का उल्लेखनीय योगदान रहा।

सत्कर्म ही सच्चा तर्पण, पितृ मोक्ष

अमावस्या पर ब्रह्माकुमारीज का आयोजन

बैतूल। पितृ मोक्ष अमावस्या के अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्थान के भाग्य विधाता भवन में आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का विषय सत्कर्म ही सच्चा तर्पण था। इस मौके पर सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने कहा पितरों को प्रसन्न करने का सबसे बड़ा साधन कोई अनुष्ठान नहीं बल्कि हमारे सत्कर्म है जब हम श्रेष्ठ कर्म करते हैं तभी पितरों को सच्ची शांति मिलती हैं। वही ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी ने कहा कि सच्चा तर्पण वही है, जब हम अपने जीवन में सच्चाई, ईमानदारी, और निस्वार्थ भाव से कर्म करते हैं। यही हमारे पूर्वजों की प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम के दौरान बीके सविता बहन ने पितरों की शांति के लिए विशेष राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया जहां उपस्थित सभी लोगों ने पवित्रता और आत्मिक शांति का गहरा अनुभव किया। इसी अवसर पर संस्थान के युवा प्रभाव द्वारा युवा समिट का आयोजन किया गया जहां ब्रह्माकुमार तरुण भाई ने सभी को संबोधित करते हुए कहा की यदि युवा पीढ़ी नशे से दूर रहकर सकारात्मक जीवन जीने का संकल्प ले तो श्रेष्ठ समाज और स्वर्णिम भारत का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने सभी को नशा मुक्त जीवन जीने और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने के शपथ दिलाई। इस अवसर पर बीके पूर्णिमा, बीके अरुणा, बीके अर्चना सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे और सभी ने नशामुक्त जीवन बनाने एवं स्वदेशी चीजों को अपनाने का संकल्प लिया।

स्व. देवीप्रसाद जी व्यास की श्रद्धांजलि आज

बैतूल। वर्तमान में चंद्रशेखर वार्ड सदर निवासी शिक्षा विभाग में प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्त हुए पं. देवीप्रसादजी व्यास का गत 10 सितंबर 25 को देवलोकगमन हो गया था। जिनकी त्रयोदशाकर्म, गंगापूजन, पगड़ी एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम कल 22 सितंबर सोमवार को प्रातः 11.30 बजे से देवाशीष गार्डन, भीलाखेड़ी डोलरिया रोड मेहरागांव इटारसी जिला नर्मदापुरम में रखा गया है। स्व. देवीप्रसाद व्यास के भाइयों, सुपुत्रो सहित अन्य परिजनों ने सभी इष्टजनों एवं परिवारजनों से श्रद्धांजलि सभा में आकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करने आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि पं. देवीप्रसाद जी का जन्म नर्मदापुरम के प्रतिष्ठित व्यास परिवार के श्रीमती गुलाबबाई- श्री नारायणजी के यहाँ 15 नवंबर 1938 को ग्राम भीलाखोड़ी में हुआ था। ग्राम के सभी छोटे-बड़े लोग सम्मानपूर्वक उन्हें दादा नाम से सम्बोधित करते है। दादा अपने परिवार में सबसे बड़े पुत्र थे, उनके तीन भाई रामकिशोर, संतोष, नरेन्द्र तथा चार सुपुत्र जिनमे राजेश, संजय, मुकेश व पंकज तथा दो पुत्रीयाँ माया एवं छाया सहित चार पुत्रवधु नाती-पोतो वाले भरापूरा परिवार के वे प्रमुख थे। सहज, सरल स्वभाव के धनी दादा एक आदर्श शिक्षक, पिता एवं भाई रहे, जिनका सभी बडा सम्मान करते थे और पूरे गाँव, समाज और परिवार में उनका एक विशेष स्थान रहा।

पिछले 24 घंटे के दौरान 1.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

बैतूल। जिले की औसत वर्षा 1083.9 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 941.1 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 961.1 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 21 सितंबर 2025 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 1.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 21 सितंबर 2025 को प्रातः 8 बजे तक तहसील बैतूल में 0.0, घोड़ाडोंगरी में 0.0, चिचोली में 0.0, शाहपुर में 0.0, मुलताई में 0.0, प्रभात पट्टन में 0.0, आमला में 0.0, भैंसदेही में 0.0, आठनेर में 0.0 तथा भीमपुर में 15.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई।

भौंरा में शांति समिति की बैठक आयोजित

गाइडलाइन का पालन अनिवार्य, असामाजिक तत्वों पर रहेगी कड़ी नजर

भौंरा। रविवार को पुलिस चौकी भौंरा में आगामी शारदीय नवरात्रि और दशहरा पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि एवं आम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। बैठक में दुर्गा पूजा के दौरान होने वाले आयोजन, मूर्तियों की स्थापना, पंडालों की व्यवस्था, जुलूस मार्ग, यातायात नियंत्रण, विद्युत आपूर्ति और विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने शासन द्वारा जारी गाइडलाइन से सभी को अवगत कराते हुए नियमों का पालन करने की अपील की। थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर ने कहा कि पर्वों के दौरान डीजे का साउंड निर्धारित सीमा से अधिक न बजाया जाए। साथ ही धार्मिक आयोजनों में केवल भक्ति गीतों एवं धार्मिक गानों का ही प्रयोग किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अशांति या असामाजिक गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस चौकी प्रभारी नीरज खरे ने कहा कि सभी पंडाल संचालक एवं आयोजन समिति सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें। विद्युत आपूर्ति, अग्नि सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की जिम्मेदारी आयोजकों और प्रशासन दोनों की रहेगी। अधिकारियों ने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे त्योहार को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की समस्या या संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

खेड़ली बाजार बेल नदी घाट पर गायत्री परिवार ने किया स्वाधीनता संग्राम सेनानियों का तर्पण

पितृपक्ष में प्रतिदिन करवाया गया तर्पण

बैतूल। खेड़ली बाजार स्थित बेल नदी घाट पर पितृ पक्ष के पर्व के अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में तर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सामूहिक तर्पण में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और मंत्रोच्चारण के साथ अपने पूर्वजों, दिवंगत प्रमुख व्यक्तियों तथा देश के स्वाधीनता संग्राम सेनानियों का तर्पण किया। गायत्री परिवार के साधकों ने बताया कि पितृपक्ष में तर्पण करना अति आवश्यक माना गया है। तर्पण करने से पूर्वजों की आत्मा की शांति होती है और पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य दिवंगत आत्माओं की तृप्ति के लिए तर्पण करना है। इसी भावना से श्रद्धालुओं ने बेल नदी घाट पर एकत्र होकर अपने पूर्वजों के साथ-साथ शहीद सेनानियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान गायत्री परिवार के सदस्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच तर्पण विधि संपन्न कराई और श्रद्धालुओं को पितृ पक्ष का महत्व समझाते हुए बताया कि यह पर्व हमें पूर्वजों की स्मृति और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

हमारी राष्ट्रीय एकता के लिए पूरे देश की संपर्क लिपि नागरी लिपि होना चाहिए

कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संपन्न

रतलाम। किसी भी राष्ट्र के विकास की बुनियाद उसकी मातृभाषा की संपन्नता में निहित होती है। विदेशी भाषा हिय के सूल की अभिव्यक्ति में समर्थ नहीं होती। हमारी मातृभाषा में ही हमारी संस्कृति, सभ्यता, परंपरा, हर्ष, उल्लास और पीड़ा की वास्तविक अभिव्यक्ति संभव हो सकती है। मातृभाषा हमारी अस्मिता की पहचान होती है जिसमें हमारे राष्ट्र का सामूहिक स्वर मुखरित होता है। हिंदी हमारी सांस्कृतिक चेतना की संवाहिका और राष्ट्र की आत्मा है।

यह उदगार डॉ अशोक कुमार भार्गव (पूर्व आईएएस) अध्यक्ष, मध्य प्रदेश नागरी लिपि परिषद ने शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रतलाम में हिंदी पखवाड़ा एवं नागरी लिपि परिषद के स्वर्ण जयंती अवसर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में %राष्ट्रीय एकता में हिंदी और नागरी लिपि की उपादेयता% विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रस्तुत किए। डॉ भार्गव ने कहा कि संवैधानिक कठिनाई के कारण हिंदी राष्ट्रभाषा के गौरव से वंचित है। जबकि, भारत के स्वाधीनता संग्राम में हिंदी का अवदान अद्वितीय है। हिंदी भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है। हिंदी ने संपर्क भाषा के रूप में उत्तर दक्षिण पूरब पश्चिम को जोड़ने में सेतु का काम किया है।

डॉ भार्गव ने कहा कि आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित नागरी लिपि परिषद ने नागरी लिपि के प्रचार प्रसार के कार्य को वैश्विक स्तर तक प्रतिष्ठित किया है। देश की सभी भाषाओं और बोलियां को उनकी अपनी लिपियों के साथ-साथ नागरी लिपि में तथा देश की सभी भाषाओं की उत्कृष्ट रचनाओं को, देश की लिपि रहित बोलियों के साहित्य को नागरी लिपि में मुद्रित और प्रकाशित करने का अभूतपूर्व कार्य किया है। नागरी लिपि विश्व की सबसे अधिक वैज्ञानिक लिपि है जो अपनी सहजता, सरलता, सुंदरता, नमनीयता, सुगमता और बोधगम्यता के कारण विश्व लिपि बनने की क्षमता रखती है क्योंकि देवनागरी लिपि में जैसा लिखा जाता है वैसा ही पढ़ा जाता है और जैसा बोला जाता है वैसा ही लिखा जाता है।

डॉ भार्गव ने नागरी लिपि के राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि भारत की अन्य भाषाओं को देवनागरी लिपि में सीखने से परस्पर अविश्वास, अविचार और भ्रम की स्थिति दूर होगी। भाषाएं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनेंगी और भाषाओं को अखिल भारतीय स्तर पर व्यापार, पर्यटन, रोजगार और बाजार की अनुकूल परिस्थितियां प्राप्त होंगी। डॉ भार्गव ने कहा कि 19वीं सदी फ्रेंच भाषा की सदी थी, 20वीं सदी अंग्रेजी भाषा की थी किंतु 21वीं सदी हिंदी की सदी है।

सदर आईटीआई से गेंदा चौक तक चला अवैध होर्डिंग और सामग्री हटाने का अभियान

कलेक्टर के निर्देश पर नपा राजस्व व पुलिस के अमले की संयुक्त कार्रवाई

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार रविवार को नगर पालिका, पुलिस और राजस्व अमले की संयुक्त टीम ने नगर के मुख्य मार्ग पर अवैध होर्डिंग हटाने की कार्रवाई की। यह अभियान सदर शासकीय आईटीआई से गेंदा चौक तक चलाया गया। कार्यवाही के दौरान एसडीएम श्री अभिजीत सिंह भी मौके पर मौजूद रहे और पूरे अभियान की निगरानी की। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सतीश मत्सानिया ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के दौरान दुकानों के सामने लगे अवैध फ्लेक्स, सूचना बोर्ड और अन्य सामग्री को जेसीबी की सहायता से हटाया गया। इस दौरान दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई कि सडक़ तक अतिक्रमण कर व्यापार न करें। उन्होंने कहा कि नगर का यातायात सुगम बनाने और नागरिकों को अवरोधमुक्त मार्ग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया है। अभियान के दौरान प्रशासनिक टीम ने स्थानीय व्यापारियों को समझाइश दी कि वे स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाएं, अन्यथा आगे भी नियमित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में उद्यमिता कार्यशाला का आयोजन

बैतूल (निप्र)। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में कौशल विकास संचालनालय के निर्देशानुसार विद्युत विल्यू इज डबल व्हेन युथ अंडरस्टेण्ड टेक्नोलाजी पहल के अंतर्गत 19 सितंबर को उद्यमिता प्रोत्साहन के लिए उद्यमिता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विभाग सह-संयोजक स्वदेशी जागरण मंच श्री धनश्याम मदान, विशिष्ट अतिथि जिला समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान श्री राहुल कांवले, सफल उद्यमी श्रीमती मधुबाला देशमुख, डायरेक्टर एमडी किएशन एवं जिला कोष प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच श्री योगेश रोचलानी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। श्री राहुल कांवले ने अपने उद्बोधन में बताया कि उद्यमी को किस प्रकार उद्योग स्थापित करने के लिए सर्वे, पूंजी की व्यवस्था, उद्योग के लिए कच्चा सामग्री और कर्मचारियों का चयन करना चाहिए एवं सफल उद्यमी की विशेषताएं बताते हुए अपने उद्योग में नवाचार करते हुए मानवीय मूल्यों का ध्यान रखते हुए दूरदर्शिता के साथ समर्पण भाव से सफल उद्यमी बना जा सकता है। श्रीमती मधुबाला देशमुख ने अपने अनुभव साझा करते हुए क्लाउड किचन, साबुन निर्माण, मोमबत्ती निर्माण जैसे कम लागत के उद्यम स्थापित करने के तरीके बहुत सहज ढंग से बताए। विशेष रूप से उन्होंने कहा कि कई महिला उद्यमियों द्वारा राष्ट्र निर्माण में योगदान करते हुए उद्योग क्षेत्र में सफलता के परचम फहराए है। श्री योगेश रोचलानी ने अपने मार्गदर्शन में बताया कि किस प्रकार अपने उत्पाद का प्रचार प्रसार करने के लिए आधुनिक मीडिया का प्रयोग किया जा सकता है और छोटे स्थान से भी विश्वव्यापी निर्यात किया जा सकता है। उद्यम स्थापित करने में कई कठिनाई आती है परंतु पीछे न हटकर लगातार प्रयास करते रहे, सफलता अवश्य मिलेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री घनश्याम मदान ने अपने उद्बोधन में बताया कि किस प्रकार स्वदेशी उत्पाद को अपनाकर विश्व व्यापी अर्थव्यवस्था में देश को मजबूत स्थान दिलाया जा सकता है। उन्होने महिला आईटीआई द्वारा महिला सशक्तिकरण के प्रयासों के चलते प्रशिक्षणार्थियों में हुए परिवर्तन एवं अनुशासन की सराहना करते हुए प्रेरित किया कि महिलाएं भी हर क्षेत्र में उन्नति के चरम को प्राप्त कर सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि गौ माता एक चलता-फिरता चिकित्सालय है एवं गाय से प्राप्त गोबर एवं गौमूत्र के औषधि गुणों से कई असाध्य बीमारियां ठीक होती है। कार्यक्रम के अंत में कार्यकम अध्यक्ष एवं संस्था प्राचार्य श्री रेवाशंकर पंडाग्रे ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को उपस्थित हुए अतिथियों द्वारा दिए मार्गदर्शन के आधार पर भावी उद्यमी बनने के लिए अपने अवचेतन में मालिक की अवधारणा का बीजारोपण कर कार्य योजना बनाने के लिए प्रेरित किया एवं बताया कि अच्छे विचारों के दम पर ही हम भविष्य का निर्माण कर सकते है। कार्यक्रम के दौरान संस्था के संस्था के अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों में से मूर्ति निर्माण, रंगोली, मेहंदी, बनाकर एवं पढ़ाई के साथ ट्यूशन एवं आरटीओ एजेंट के रूप में आय अर्जित करने वाले उद्यामीयों अंकिता धुर्वे, स्नेहा, वर्षा प्रजापति, शेख जिनाद, तनुश्री सोनी आदि को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था की प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमती विनिता पाटील द्वारा किया गया।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान'' एवं ''सेवा पखवाड़ा'' के अंतर्गत शिविर आयोजित

बैतूल (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान 17 सितंबर से प्रारंभ किया गया है, जो आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक चलेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि अभियान के तहत जिले में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 20 सितम्बर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में जिला चिकित्सालय बैतूल से स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ, मानसिक रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, दंत रोग चिकित्क द्वारा हितग्राहियों का परीक्षण एवं उपचार किया जाएगा। खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक नरवरे सिविल अस्पताल आमला ने बताया कि 19 सितम्बर 2025 को सिविल अस्पताल आमला में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल पंजीयन 432 किए गए। शिशु रोग 11, स्त्री रोग 22, फिजियोथेरेपी 56, नाक कान गला 9, दंत रोग 11, मनोरोग 13, नेत्र रोग 17, टीबी स्क्रीनिंग 41, सिकल सेल स्क्रीनिंग 71, दिव्यांग 24 अन्य सामान्य रोग 227 अन्य मरीज की जांच एवं उपचार किया गया। स्वास्थ्य शिविर में जिला चिकित्सालय बैतूल से मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय खातरकर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ वंदना धाकड़, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ शीतल मर्सकोले, नाक कान गला विशेषज्ञ डॉ. ऋषि माहोर, दंत रोग चिकित्सक भगवंतराव कापसे, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष ठाकुर, आयुष विभाग से डॉ विनिता महादुले, सिविल अस्पताल से चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रदीप जैन, डॉ राकेश बछले, डॉ विवेक झरबड़े द्वारा शिविर में आए हुए मरीजों की जांच कर उपचार एवं आवश्यक परामर्श दिया गया। 5 टीबी मरीजों को फुड बास्केट वितरित किए गए।

संक्षिप्त समाचार

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविरों का हुआ आयोजन

हरदा (निप्र)। प्रदेश में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत गुरूवार को जिले के ग्राम झाड़पा, नीमगांव, खुदिया, मगरधा, जोगा, रातातलाई, मांदला, चौकड़ी व मुरलीखेड़ा सहित अन्य ग्रामों में स्वास्थ शिविर आयोजित किये गये। शिविर में स्वास्थ विभाग के दल ने निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श दिया। शिविर में आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी निर्माण, असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग, एनीमिया एवं सिकल सेल रोगों तथा क्षय रोग सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि इन शिविरों में कुल 2834 नागरिकों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान 125 महिलाओं का ए.एन.सी. चेकअप, 2145 लोगों की हिमोग्लोबिन, 1570 लोगों की हायपरटेंशन व शुगर, 723 लोगों की टीबी की जांच की गई तथा 56 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसी प्रकार ग्राम गोगिया में आयोजित रक्तदान शिविर में 79 लोगों ने रक्तदान किया।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान : सुनारी व फतेहपुर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

विदिशा (निप्र)। धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत ग्राम सुनारी एवं ग्राम फतेहपुर में विशेष कैंप का आयोजन किया गया था। कैंप के दौरान आदिवासी हितग्राहियों के 05 आधार कार्ड, 11 आयुष्मान कार्ड, 10 जीवन ज्योति बीमा तथा 12 जनधन खातों हेतु आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन ग्रामों में पीएम किसान, उज्ज्वला योजना एवं राशन पर्ची के अंतर्गत लाभ पूर्व से ही पूर्ण हैं। शिविर में अधिकारियों द्वारा ग्रामवासियों को शासन की अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी गई एवं उनका लाभ उठाने हेतु जागरूक किया गया।

राजस्व खाद्य और पुलिस की टीम ने तीन दुकानों की जांच की, 12 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त, कीमत 28 हजार

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार अवैध गैस रिफिलिंग की शिकायत के संबंध में राजस्व खाद्य और पुलिस विभाग के अधिकारियों के संयुक्त जांच दल द्वारा 3 दुकानों की जांच की गई। इस दौरान अवैध रिफिलिंग करते नहीं पाया गया है परन्तु घरेलू गैस का उपयोग गैस चूल्हा रिपेयरिंग में किया जाना पाया गया। अतः द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय वितरण विनियमन आदेश 2000 की कंडिका 3(1)ग़ का उल्लंघन होने से निम्न गैस चूल्हा रिपेयरिंग दुकान से 12 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त किए गए जिनकी कीमत 28000 रुपए है। जांच दल द्वारा संस्कार कलेक्शन गैस चूल्हा रिपेयरिंग से 5 घरेलु सिलेंडर, जगदीश राय गैस चूल्हा रिपेयरिंग से 3 घरेलू सिलेंडर और अरविंद हार्डवेयर गैस चूल्हा रिपेयरिंग से 4 घरेलू सिलेंडर जप्त करने की कार्रवाई की गई है।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा : बैतूल में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रति व्यापारियों को किया जागरूक

बैतूल (निप्र)। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत आज जिले में विभिन्न स्वच्छता संबंधी गतिविधियां आयोजित की गईं। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद बैतूल द्वारा कोठी बाजार और गंज क्षेत्र में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के प्रतिबंध को लेकर जागरूकता एवं कार्रवाई की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सतीश मत्सेनिया के मार्गदर्शन में स्वच्छता निरीक्षक श्री राजेश सोनी और श्री संतोष धनेलिया ने पूरे स्वच्छता अमले के साथ व्यापारियों को पॉलीथिन का उपयोग न करने और कपड़े के थैले अपनाने के लिए प्रेरित किया। ग्राहकों से भी अपील की गई कि वे बाजार आते समय कपड़े का थैला साथ लेकर आएं। अभियान के दौरान सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग करने वाले व्यापारियों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 16 हजार रुपये की राशि वसूल की गई और 54 किलो पन्नी जब्त की गई।

एक आरोपी को जिला बदर करने के आदेश जारी

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर वरूण गौर पिता अर्जुन गौर, उम्र 19 साल निवासी शकुर कालोनी हरदा को 6 माह के लिये जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है।

जिले में आयोजित शिविरों में लाभार्थियों को मिला स्वरोजगार योजनाओं का लाभ

बैतूल (निप्र)। जिले के विभिन्न विकासखण्डों में बैंकों की शाखाओं पर शुक्रवार को विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में मप्र शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के लंबित प्रकरणों का निराकरण करते हुए पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति एवं वितरण कराया गया। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बैतूल द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनांतर्गत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा सदर में आयोजित शिविर में कुल 05 प्रकरण स्वीकृत कर वितरण किया गया। इसी योजना में जिला अन्त्यावसायी शाखा बैतूल द्वारा आयोजित शिविर में 01 प्रकरण स्वीकृत कर लाभार्थी को वितरण कराया गया। आदिमजाति कल्याण विभाग बैतूल द्वारा बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा जम्बाडा में आयोजित शिविर में टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के 05 तथा भगवान बिरसा मुंडा योजना के 05 हितग्राहियों को लाभांवित किया गया। इसी क्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बैतूल द्वारा बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा जम्बाडा में आयोजित शिविर में पिछड़ा वर्ग स्वरोजगार योजना अंतर्गत 10 हितग्राहियों को लाभांवित किया गया। उद्यानिकी विभाग बैतूल द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत इंडियन ओवरसीज बैंक शाखा बैतूल में आयोजित शिविर में 01 प्रकरण स्वीकृत कर वितरण कराया गया।

तमोट प्लास्टिक पार्क में एमएसएमई वर्कफोर्स हेतु एक दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। तमोट प्लास्टिक पार्क स्थित आनंद टेक प्लास्ट प्रा. लि. में रेज़िंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस योजना के अंतर्गत एमएसएमई वर्कफोर्स के लिए एक दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय लघु, मध्यम उद्यम संस्थानद्वारा किया गया तथा योजना की राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी एमपीएलयूएन (मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम) रही। कार्यशाला का आयोजन श्री सिद्धार्थ खरे, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र (डीआईसी) मण्डीदीप के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य विनिर्माण इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों की कौशल क्षमता, उत्पादकता और कार्य दक्षता को बढ़ाना रहा। प्रशिक्षण विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को कई लाभकारी विषयों पर मार्गदर्शन दिया, जिनमें शामिल थेः कार्यस्थल दक्षता और उत्पादकता वृद्धि गुणवत्ता नियंत्रण एवं मानक टीमवर्क और संवाद कौशल स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कार्य अनुशासन तकनीकी परिवर्तनों के प्रति अनुकूलन सत्रों में केस स्टडी, रोल प्ले और समूह चर्चा शामिल की गईं, जिनसे प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हुई। प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रकार का प्रशिक्षण न केवल उनके तकनीकी और व्यवहारिक कौशल को सुदृढ़ करेगा बल्कि उन्हें अपने संगठन की प्रगति में अधिक योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

जिले में सेवा पखवाड़ा अभियान के सफल और प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अधिकारियों को दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिला अधिकारियों तथा सभी एसडीएम को सेवा पखवाड़ा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने सीएमएचओ तथा सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि सेवा पखवाड़ा के तहत निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएं तथा इसमें महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। साथ ही अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया जाए, स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू हों तथा स्वच्छता हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने एक बगिया माँ के परियोजना की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को स्थलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। फलदार पौधों का रोपण अधिक संख्या में और निर्धारित दूरी पर हो तथा उनकी सुरक्षा हेतु तार-फेसिंग ठीक तरीके से की गई हो, इसके लिए संबंधितों को निर्देशित करें। उन्होंने कृषि अधिकारी को निर्देशित किया कि आगामी 03 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ग्रामों में शिविर आयोजित किए जाएं जिनमें कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को उन्नत कृषि की जानकारी दी जाए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा जिला अधिकारियों और सभी एसडीएम को उच्च न्यायालय के प्रकरणों में प्राथमिकता से जबावदावा दर्ज कराने के निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्य गंभीरता से और तेजी से किया जाए। उन्होंने बेगमगंज एसडीएम द्वारा उच्च न्यायालय के सभी प्रकरणों में जबावदावा दर्ज कराए जाने की सराहना की। साथ ही तहसीलदारों और अधिकारियों को शीघ्र जबावदावा दर्ज कराने के निर्देश दिए। सिविल कोर्ट के प्रकरणों में भी जबाव दर्ज कराया जाए। सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला अधिकारियों और एसडीएम को निर्देश दिए कि इसे गंभीरता से लें और शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराएं। सभी एसडीएम अनुभाग स्तर पर सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण की प्रगति की नियमित समीक्षा करें। उन्होंने सीएमएचओ तथा सिविल सर्जन को विशेष रूप से सीएम हेल्पलाईन शिकायतों को गंभीरता के साथ निराकृत कराने के लिए निर्देशित किया।

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत जिले में आयोजित की जा रही हैं स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण सहित अन्य गतिविधियां

रायसेन (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिन 17 सितम्बर से प्रदेश के साथ ही जिले में शुरू हुए श्सेवा पखवाड़ाश् अभियान में सामूहिक भागीदारी से सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई का अभियान चल रहा है। इसी के साथ महिला सशक्तिकरण सहित अन्य गतिविधियां भी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही हैं। सेवा पखवाड़ा अभियान 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक निरंतर चलेगा। जिले के नगरीय क्षेत्रों में भी स्वच्छता श्रमदान गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स और स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित किए जा रहे स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं, किशोरियों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। इसी क्रम में सेवा पखवाड़ा और स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के तहत औबेदुल्लागंज विकासखण्ड के ग्राम सराकिया आंगनवाड़ी केन्द्र सहित हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स में पर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और आवश्यक परामर्श दिया गया। इसी प्रकार शासकीय विद्यालयों में किशोरियों को आयरन की गोली खिलाई गई तथा आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दिया गया। सेवा पखवाड़ा के तहत जिले के आशापुरी स्थित शासकीय हाईस्कूल में बेटी है तो जीवन है, भारत की शिक्षित नारी-समृद्ध परिवार विषय पर स्लोगन पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। सेवा पखवाड़ा अंतर्गत रायसेन नगर के वार्ड क्रमांक- 4 में आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता संदेश देते हुए वार्ड में स्वच्छता रैली निकाली गई एवं सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में नगर पालिका अध्यक्ष महोदया, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, एवं वार्ड के आम नागरिकों ने स्वच्छता अभियान में श्रमदान कर वार्ड को एवं शहर को साफ व स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया। उदयपुरा स्थित सीनियर उत्कृष्ट कन्या छात्रावास में स्वच्छता ही सेवा विषय पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सेवा पखवाड़ा के तहत जिलेभर में आयोजित की गईं अनेक गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जन भागीदारी, स्वच्छता, सेवा और जन कल्याणकारी कार्यक्रमों को व्यापक स्वरूप देने एवं नागरिकों में स्वच्छता, सेवा और सामुदायिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सीहोर जिले में सेवा पखवाड़ा अभियान संचालित किया जा रहा है। यह सेवा पखवाड़ा अभियान 02 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के तहत 19 सितंबर को जिलेभर में अनेक स्थानों पर स्वच्छता कार्यक्रम, पौधरोपण कार्यक्रम, स्वच्छता रैली, स्वच्छता शपथ, स्वच्छता सभा सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के दौरान जिलेभर में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, नागरिकों और स्कूली बच्चों ने स्वच्छता के लिए श्रमदान कर सभी को स्वच्छता का संदेश दिया।

केन्द्रीय योजनाओं पर कार्यशाला का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। मेरा युवा भारत, विदिशा, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं पर कार्यशाला का आयोजन गत दिवस किया गया था। कार्यशाला में हितग्राहियों को लाभांवित कराने की पहल करने पर बल दिया गया है। एसएटीआई में आयोजित कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत विदिशा, श्रीमती आकांक्षा महावरिया ने आयोजन के उद्धेश्यों को रेखांकित करते हुए मेरा युवा भारत पोर्टल (एम वाय भारत पोर्टल) एवं कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पंकज जैन ने अपने उद्बोधन में युवाओं को प्रेरित किया और केंद्र तथा मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी सांझा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेव्हीवाय), स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) जैसी योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान हेतु सशक्त कर रही हैं।

प्रथम सत्र – डॉ. ए.बी. खान, जिला रोजगार अधिकारी द्वारा लिया गया, जिसमें युवाओं को जिला रोजगार कार्यालय की गतिविधियों एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना तथा राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल की जानकारी दी गई।

द्वितीय सत्र– श्री गौरव देवेंद्र, वरिष्ठ प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा लिया गया। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया तथा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत युवाओं को दिए जाने वाले ऋण एवं वित्तीय अवसरों पर विस्तार से चर्चा की।

तृतीय सत्र – सुश्री रेनू उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें डिजिटल इंडिया पहल के अंतर्गत ई-गवर्नेंस, डिजिलॉकर, आधार सेवाएँ, भीम एप जैसे विषयों पर जानकारी दी गई।

चतुर्थ एवं अंतिम सत्र

सुश्री ऋतु साहू, सहायक प्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र द्वारा लिया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं जैसे क्रेडिट गारंटी फंड योजना, क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम आदि के बारे में विस्तार से बताया। यह कार्यशाला न केवल युवाओं को भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं की गहन जानकारी उपलब्ध कराने का मंच बनी, बल्कि उन्हें रोजगार, उद्यमिता, वित्तीय सशक्तिकरण और डिजिटल प्रगति के प्रति जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी रही। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ते हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में भागीदारी निभा सकें. कार्यशाला में शामिल सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। आयोजकों ने इस अवसर पर यह अपेक्षा भी व्यक्त की कि सभी प्रतिभागी प्राप्त ज्ञान और जानकारी को समाज के अन्य युवाओं एवं समुदाय में साझा करेंगे, जिससे योजनाओं का लाभ व्यापक स्तर तक पहुँच सके। कार्यक्रम का समापन श्री बृजेश प्रजापति द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यशाला में युवाओं की भागीदारी ने इस आयोजन को सफल और सार्थक बनाया।

कारीगरों की मेहनत से सारंगपुर बन रहा है स्वदेशी शक्ति केंद्र

मंत्री टेटवाल बोले-हथकरघा और शिल्पकला से प्रदेश को मिलेगी वैश्विक पहचान

भोपाल। कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए लोकल फॉर वोकल के संदेश ने न केवल देश में स्वदेशी वस्तुओं की खपत को बढ़ाया है, बल्कि उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का मार्ग भी प्रशस्त किया है। इसी दिशा में राजगढ़ जिले के सारंगपुर जैसे कस्बे अपने हुनर और कारीगरी के माध्यम से लगातार प्रगति कर रहे हैं और प्रदेश को

समर्थ बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। मंत्री श्री टेटवाल ने सारंगपुर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया और वार्डों में कुटीर उद्योग से जुड़े कारीगरों, बुनकरों और व्यापारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सारंगपुर की शिल्पकला और हस्तनिर्मित वस्तुएं आने वाले समय में इस क्षेत्र को वैश्विक पहचान दिलाने में बड़ी भूमिका निभाएंगी। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि सारंगपुर हथकरघा और बुनकरों के कार्यों में निरंतर आगे बढ़ रहा है। यहां तैयार की जा रही सिल्क की साड़ियां पहले से ही कई स्थानों पर प्रसिद्ध हैं। इसी प्रकार ताड़ से बनाई जा रही चटाइयां और अन्य उपयोगी वस्तुएं की भी लोगों के बीच बड़ी मांग हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सारंगपुर के कारीगरों की मेहनत से यहां की पारंपरिक कला और उत्पाद न केवल देश के बाजारों में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी विशेष पहचान बनाएंगे।

वोकल फॉर लोकल को जनआंदोलन बनाने की अपील

मंत्री श्री टेटवाल ने कारीगरों और व्यापारियों से अपील की कि वे स्वदेशी उत्पादों के निर्माण और उपयोग को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी लोकल उत्पादों का अधिक से अधिक इस्तेमाल करेंगे तो इससे न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि प्रदेश और देश की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का जो अभियान चलाया जा रहा है, वह तभी सफल होगा जब प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझकर इसमें भागीदार बनेगा। सारंगपुर के कारीगरों का हुनर और समर्पण इस दिशा में एक प्रेरक उदाहरण है, जो यह दर्शाता है कि कैसे एक छोटा सा कस्बा भी लोकल से ग्लोबल पहचान बना सकता है।

भोपाल में सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

मूर्ति बुक करने निकला था,ब्रेकर पर बाइक का बैलेंस बिगड़ा ; अस्पताल में दम तोड़ा

भोपाल। बजरिया थाना क्षेत्र में रहने वाले 20 वर्षीय युवक की बाइक हादसे में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अंकुश बघेल पुत्र बृजेश बघेल, निवासी सेमरा कला (आटा चक्की के पास), 8 सितंबर की दोपहर को घर से मूर्ति बुक करने की बात कहकर निकला था। घर से थोड़ी ही दूरी पर स्पीड ब्रेकर पर बाइक का बैलेंस बिगड़ने से वह गिर पड़ा और उसके सिर में पत्थर लग गया। गंभीर चोट आने के बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार की सुबह इलाज के दौरान अंकुश ने दम तोड़ दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर बजरिया थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। दोपहर में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। अंकुश के पिता हलवाई का काम करते हैं। परिवार में वह सबसे बड़ा बेटा था, उससे छोटा एक भाई है।

एमपी में फिर छलके डैम, पहली बार खुले कोलार के गेट

सितंबर के आखिरी हफ्ते तक प्रदेश में ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल। देश के 4 राज्यों- राजस्थान, पंजाब, गुजरात और हरियाणा से मानसून की वापसी शुरू हो चुकी है, लेकिन मध्यप्रदेश में अभी बारिश का दौर जारी है। कहीं हल्की फुहारें तो कहीं रिमझिम बौछारें लोगों को भिगो रही हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक प्रदेश में फिलहाल सिर्फ एक ट्रफ लाइन सक्रिय है, लेकिन लोकल सिस्टम की एक्टिविटी के कारण भी बारिश हो रही है। शनिवार को प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में पानी बरसा। भोपाल के पास स्थित कोलार डैम के इस सीजन में पहली बार 2 गेट खोले गए। यह डैम सीहोर जिले में है, लेकिन इसके पानी से राजधानी भोपाल की करीब 40 प्रतिशत आबादी की प्यास बुझती है। शनिवार को भोपाल के ही कलियासोत डैम के 2 और भदभदा डैम का एक गेट खोला गया। अब सिर्फ केरवा डैम ही ऐसा बचा है, जिसके गेट अभी तक नहीं खुले। इधर, भोपाल के एमपी नगर और अवधपुरी इलाके में भी झमाझम बारिश का दौर शुरू हो चुका है। दूसरी ओर, भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के 25 जिलों में बारिश हुई। नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा 1 इंच, नरसिंहपुर, शिवपुरी-खरगोन में आधा इंच पानी गिरा। भोपाल, शाजापुर, आगर-मालवा, सीहोर, देवास, राजगढ़, विदिशा, धार, इंदौर, उज्जैन, छिंदवाड़ा, दमोह, रीवा, बालाघाट,

बड़वानी, मऊगंज, गुना, डिंडौरी में भी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पूर्वी ट्रफ गुजर रही है। वहीं, पूर्वी हिस्से के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) भी एक्टिव है। कुछ जिलों में लोकल सिस्टम के एक्टिव होने से भी बारिश हो रही है। रविवार को भी इन सिस्टम का असर देखने को मिल सकता है। ऐसे में पूरे प्रदेश में हल्की बारिश का यलो अलर्ट है।

अब तक 118 प्रतिशत बारिश हो चुकी

बता दें, प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 43.6 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 36.1 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7.5 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। यह कोटा पिछले सप्ताह ही पूरा हो गया है। अब तक 118 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। इस मानसूनी सीजन में इंदौर और उज्जैन संभाग की स्थिति ठीक नहीं है। यहां सबसे कम पानी गिरा है। सबसे कम बारिश वाले टॉप-5 जिलों में बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा खरगोन और शाजापुर शामिल हैं। एमपी में जब से मानसून एंटर हुआ, तब से पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में तेज बारिश हुई है। यहां बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव रहे। छतरपुर, मंडला, टीकमगढ़, उमरिया समेत कई जिलों में बाढ़ आ गई। ग्वालियर-चंबल में भी मानसून जमकर बरसा है। यहां के सभी 8 जिलों में कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है। इनमें ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, भिंड, मुरैना, दतिया और श्योपुर शामिल हैं। 34 में से भोपाल संभाग के चार, जबलपुर संभाग के 5, इंदौर संभाग के 3, ग्वालियर-चंबल के 8, सागर संभाग के 5, उज्जैन संभाग के 4, रीवा संभाग के 3, शहडोल-नर्मदापुरम संभाग के एक-एक जिला शामिल हैं। गुना में सबसे ज्यादा 65.3 इंच पानी गिर चुका है। मंडला में 59.9 इंच, श्योपुर में 56.5 इंच, अशोकनगर में 55.9 इंच और शिवपुरी में 54.8 इंच बारिश हो चुकी है। वहीं, सबसे कम 26.5 इंच बारिश खरगोन में हुई। शाजापुर में 28.1 इंच, खंडवा में 28.6 इंच, बड़वानी में 29 इंच और धार में 30.5 इंच पानी गिर चुका है।

मुख्यमंत्री आज चौक बाजार में करेंगे व्यापारियों से संवाद

स्वदेशी वस्तुओं की खुद खरीदी करेंगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार (22 सितंबर को) भोपाल के ऐतिहासिक 'चौक बाजार में' नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी के प्रचार अभियान में शामिल होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2:30 बजे भवानी मंदिर, सोमवारा चौक पर होगा, जहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जीएसटी प्रचार अभियान का स्वागत किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शारदीय नवरात्र की घट स्थापना अवसर पर यहां कर्फ्यू वाली माता मंदिर में दर्शन-पूजन कर शुभाशीष प्राप्त करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव चौक बाजार में ही पुलिस चौकी से दीपाली साड़ी प्रतिष्ठान तक पैदल भ्रमण करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री बाजार में खरीददारी करने आये ग्राहकों और व्यापारियों से जीएसटी के बारे में चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव व्यापारियों को जीएसटी रेजोल्यूशन की प्रतियां वितरित करेंगे और व्यापारियों को समझाइश देकर जीएसटी को लेकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रचार अभियान के दौरान स्वदेशी हैंडलूम्स और खादी कपड़े से बने परिधानों की खरीददारी करेंगे। साथ ही विभिन्न भुगतान माध्यमों के बारे में जानकारी देकर आमजन को डिजिटल पेमेंट प्रणाली अपनाने का संदेश भी देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपरान्ह 3 बजे श्री मोतीलाल मन्नूलाल धर्मशाला पहुंचेंगे, जहां वे व्यापारिक, वाणिज्यिक एवं सामाजिक संगठनों के करीब 300 प्रतिनिधियों से रूबरू होकर संवाद करेंगे। संवाद के दौरान केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी की दरों में कटौती किए जाने से क्रेता-विक्रेता को होने वाले लाभों की जानकारी दी जायेगी।

जल्दी अमीर बनने के लिए शुरू किया नशे का सौदा

40 लाख की ड्रग्स के साथ पकड़ाए तो किया चौंकाने वाला खुलासा

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में पिछले कुछ दिनों ने नशे के कारोबार का बड़ा खुलासा हो रहा है। अब भोपाल क्राइम ब्रांच पुलिस ने भोपाल में अंतर्राज्यीय ड्रग्स बेचने वाले गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह नशे के तस्कर राजस्थान से ड्रग्स लाकर भोपाल में बेचते थे। पुलिस ने आगर-मालवा के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। उसके साथ भोपाल में उसके लिए काम करने वाले दो पैडलर्स को भी पकड़ा गया है। बताया जा रहा है कि इन तीनों आरोपियों के कब्जे से करीब 40 लाख रुपए कीमत का 56.96 ग्राम एमडी पाउडर, एक कार, 2 बाइक और तोल कांटा जब्त किया गया है। जब्त माल की कुल कीमत करीब 50 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस आरोपियों से

पूछताछ कर रही है। उनके मोबाइल फोन की सीडीआर समेत डेटा का एनालिसिस भी पुलिस कर रही है। एसीपी मोनिका ने बताया कि क्राइम ब्रांच के पास मुखबिर से एक सूचना मिली थी। इसके अनुसार शाहजहांनाबाद स्थित ईदगाह हिल्स में कुछ लोग एमडी ड्रग्स का सौदा करने के लिए आ रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ईदगाह हिल्स पर पहुंची। यहां पुलिस ने बाइक के साथ दो लोगों को हिरासत में लिया। इनकी पहचान अफजल खान पिता निजाम खान निवासी करोंद और किफायतुल्लाह खान पिता मुस्तफा खान निवासी आगर मालवा के रूप में हुई। इसके बाद इनकी निशानदेही पर भोपाल के अन्य आरोपी मंजूर खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अफजल ने पूछताछ में यह बात कबूली है कि वह पहले भी कई बार दोस्त अरबाज से एमडी पाउडर खरीद चुका है। अरबाज के जेल जाने के बाद उसने अरबाज के ससुर किफायतुल्लाह से 22 ग्राम एमडी खरीदी। वहीं आरोपी मंजूर महबूब रेपिडो कार चलाता है। लेकिन उसे जल्दी अमीर बनने के लालच ने ड्रग्स के कारोबार की ओर खींच लिया।

पेनकिलर या स्टेरॉयड के गलत उपयोग से किडनी को खतरा

एम्स की चेतावनी,मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल से पहले सीखें सही तरीका

भोपाल। पेनकिलर या स्टेरॉयड का गलत उपयोग किडनी को प्रभावित कर सकता है। मेडिकल डिवाइस का सही ज्ञान न होने से भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है, जो व्यक्ति को विचलित या गंभीर स्थिति में ला सकती है। यही नहीं, एंटीबायोटिक्स का अधिक इस्तेमाल एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस बढ़ा सकता है, जिससे गंभीर बीमारी होने पर एंटीबायोटिक्स असर करना बंद कर देंगी और यह मौत का प्रमुख कारण बन सकता है। यह जानकारी एम्स के विशेषज्ञों द्वारा 21 सितंबर को आयोजित 5वें राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान दी गई। इस अवसर पर संस्था ने कई जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से यह संदेश दिया कि दवाएं और चिकित्सा उपकरण जीवनरक्षक जरूर हैं, लेकिन उनका सुरक्षित उपयोग उतना ही आवश्यक है। यह कार्यक्रम स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान (SNSPA) का भी हिस्सा रहा, जिसका उद्देश्य समुदाय, खासकर छात्रों और शिक्षकों को दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक करना था। एम्स भोपाल का फार्माकोलॉजी विभाग न केवल एडवर्स ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सेंटर है, बल्कि मेडिकल डिवाइस एडवर्स इवेंट रिपोर्टिंग सेंटर और रीजनल ट्रेनिंग सेंटर के रूप में भी मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए काम करता है।

विभाग की टीम ने रायसेन और विदिशा जिले के विभिन्न स्कूलों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें 416 छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की। प्रतिभागियों को दवाओं के दुष्प्रभाव (Adverse Drug Reactions) और उपकरणों से जुड़े जोखिम पहचानने के साथ-साथ रिपोर्ट करने की जानकारी दी गई। किसी भी तरह के दुष्प्रभाव दिखने पर रिपोर्टिंग के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-180-3024 और PvPI मोबाइल ऐप का उपयोग करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम का संचालन रिसर्च एसोसिएट दीपिका चौधरी और फैजान ने किया। वहीं, डॉ. फ्लोरेंस जॉय, डॉ. केविन जैन, डॉ. चिराग अग्रवाल और डॉ. सिद्धांत ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया और उपभोक्ताओं एवं स्वास्थ्यकर्मियों की जिम्मेदारी पर जोर दिया। मध्यप्रदेश जैसे बड़े प्रदेश में दवाओं और उपकरणों का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। हर नए इलाज के साथ नए साइड इफेक्ट और जोखिम भी सामने आते हैं। फार्माकोविजिलेंस का उद्देश्य इन्हीं दुष्प्रभावों की समय रहते पहचान और रिपोर्टिंग है। ऐसा करने से न केवल मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित होती है, बल्कि भविष्य के लिए बेहतर इलाज पद्धतियां भी विकसित होती हैं।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

क्या राजेश अग्रवाल को बना दिया गया नाम का मंत्री

कहा जा रहा है कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव को मात्र 94 वोटों से हराने वाले अंबिकापुर के विधायक राजेश अग्रवाल मंत्री तो बन गए, पर उन्हें न तो अच्छा विभाग मिला और न ही प्रभार का अच्छा जिला। पर्यटन,संस्कृति और धार्मिक तथा धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) के प्रभारी मंत्री बनाए गए हैं। राजेश अग्रवाल के साथ मंत्री बने गजेंद्र यादव स्कूल शिक्षा के साथ ग्रामोद्योग और कानून मंत्री भी हैं, तो गुरू खुशवंत साहेब के पास अनुसूचित जाति,तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार विभाग है। गजेंद्र यादव राजनांदगांव तो खुशवंत साहेब सक्ती के प्रभारी मंत्री बनाए गए हैं। राजेश अग्रवाल को मिलाकर सरगुजा संभाग से पांच मंत्री हो गए हैं। मुख्यमंत्री भी इसी संभाग से आते हैं। वैसे भूपेश बघेल राज में दुर्ग वजनदार था। तब यहां से मुख्यमंत्री समेत पांच मंत्री थे। छत्तीसगढ़ में कैबिनेट विस्तार में क्षेत्रीय संतुलन पर जातीय संतुलन भारी पड़ा। जातीय संतुलन के आधार पर राजेश अग्रवाल मंत्री बन गए, उनके मंत्री बनने पर लोग कयास लगा रहे हैं कि सरगुजा राजपरिवार को मात देने का पुरस्कार मिला या एक उद्योगपति की उन पर कृपा बरसी।

मुख्य सचिव अमिताभ जैन का पुनर्वास तय

कहते हैं विष्णुदेव साय की सरकार ने मुख्य सचिव अमिताभ जैन को छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग का अध्यक्ष बनाने का मन बना लिया है, हालाँकि भाजपा के कुछ नेता सरकार की मंशा से सहमत नहीं हैं। फैसला मुख्यमंत्री को लेना है। बताते है मुख्यमंत्री चाहते है रिटायर मुख्य सचिव का पुनर्वास हो जाय। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया है। हेमंत वर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। हेमंत वर्मा की नियुक्ति भूपेश बघेल के राज में हुई थी। उनका कार्यकाल एक वर्ष बचा था। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग का अध्यक्ष का कार्यकाल पांच वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक होती है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग में पहले भी रिटायर्ड आईएएस अध्यक्ष रहे हैं। अमिताभ जैन अध्यक्ष बनते हैं तो उन्हें करीब पौने पांच साल मिल जाएगा। श्री जैन इस साल जून में रिटायर होने वाले थे, पर सरकार ने उन्हें तीन महीने की सेवावृद्धि दे दी। वैसे कहते हैं अमिताभ जैन मुख्य सचिव के पद से रिटायर होने के बाद मुख्य सूचना आयुक्त बनना चाहते थे। इस पद के लिए उन्होंने इंटरव्यू भी दिया था। इस पर नियुक्ति में हाईकोर्ट का स्टे है और फिर इस पद के लिए रिटायर्ड डीजीपी अशोक जुनेजा का नाम चल रहा है।

विकास शील आएंगे अगले हफ्ते ?

कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के संभावित मुख्य सचिव विकास शील अगले हफ्ते रायपुर आ जाएंगे। खबर है कि वे एशियन डेवलेपमेंट बैंक से रिलीव होकर भारत सरकार में ज्वाइनिंग दे दी है। अब भारत सरकार से रिलीव होकर महानदी भवन में ज्वाइनिंग देंगे। इसके बाद आगे की प्रक्रिया होगी। वर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन का कार्यकाल 30 सितंबर को समाप्त हो रहा है। 1994 बैच के आईएएस विकास शील को नए मुख्य सचिव बनाए जाने की संभावनाओं के बीच एसीएस ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ को लेकर भी चर्चा गर्म है। विकास शील के पदभार ग्रहण करने के बाद ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ मंत्रालय में रहते हैं या प्रतिनियुक्ति पर जाते हैं, उस पर सबकी निगाह है ? ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ दोनों ही विकास शील के बैचमेट हैं। माना जा रहा है कि विकास शील के कामकाज सँभालने के बाद मंत्रालय स्तर पर व्यापक फेरबदल हो सकता है।

निजी अस्पताल में भाजपा नेता और आईपीएस का निवेश

कहते हैं कि रायपुर के एक निजी अस्पताल में एक भाजपा नेता और आईपीएस ने निवेश किया है। भाजपा नेता अस्पताल के प्रमोशन में भी लगे हैं। भाजपा नेता और आईपीएस दोनों ही किसी समय बड़े पावर में थे, पर आजकल उनका कोई नामलेवा नहीं है। अब अस्पताल में पैसा लगाकर धन दोगुना की चाहत रखते हैं या सेवाकार्य, ये तो वही जानते हैं। चर्चा है कि अस्पताल में आईपीएस के इन्वेस्टमेंट को लेकर भाजपा के एक नेता ने खुदाई शुरू कर दी है। ये भाजपा नेता खुदाई में बड़े उस्ताद हैं। इनको छत्तीसगढ़ का 'व्हिसलब्लोअर' कहा जाता है। इन महाशय ने भूपेश सरकार के कोल घोटाले, शराब कांड से लेकर महादेव सट्टा एप की पोल खोलने का काम किया है। अब देखते हैं आईपीएस और अस्पताल के लिंक की तह में जाकर क्या निकालते हैं ?

पुलिस अफसर को फटकार

चर्चा है कि प्रदेश भाजपा के एक ताकतवर पदाधिकारी ने दोहरे प्रभार वाले एक आला पुलिस अफसर को तलब कर राजधानी में कानून-व्यवस्था को लेकर खरी-खरी सुनाई और हिदायत भी दी। कहते हैं कि पदाधिकारी ने पिछले दिनों राजधानी के व्यस्तम इलाके में भाजपा के संगठन महामंत्री की गाड़ी पर किसी सिरफिरे द्वारा गमला पटके जाने की घटना को लेकर नाराजगी व्यक्त की। गाड़ी के भीतर न तो संगठन महामंत्री थे और न ही ड्राइवर था, इस कारण कोई अनहोनी तो नहीं हुई, पर साख पर आंच जरूर आई । इस घटना को लेकर कांग्रेस ने जबरदस्त चुटकी भी ली और भाजपा के भीतर भी हलचल मच गया। खबर है कि राजनीतिक बवंडर के बाद पदाधिकारी ने आला पुलिस अफसर को बुलाकर चाशनी लपेटकर नीम की गोली खिलाई। भाजपा में संगठन महामंत्री को काफी पावरफुल माना जाता है। अब देखते हैं पदाधिकारी की दवाई का क्या प्रभाव पड़ता है और राजधानी की कानून-व्यवस्था की कितनी दुरुस्त होती है।

ठेकेदार के भरोसे एच ओ डी

कहते हैं एक निर्माण विभाग का मुखिया एक ठेकेदार के भरोसे चल रहे हैं, वही उनके आँख-कान और कुबेर बने हुए हैं। खबर है कि मुखिया पहले अपने एक मातहत पर निर्भर रहा करते थे, अब ठेकेदार उनका मार्गदर्शक बन गया है। चर्चा है कि साहब की पारी ज्यादा बची नहीं है। इसलिए भी वे अपना आगे का भविष्य सुरक्षित कर लेना चाहते हैं। विभाग का बजट बहुत ज्यादा तो नहीं है, पर आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट आने वाले हैं, इसलिए यह विभाग सुर्खियों में भी है। पर मुखिया के कामकाज को लेकर विभाग में कई तरह की चर्चा चल रही है। अब देखते हैं विभागाध्यक्ष क्या नींव रख जाते हैं।

एक्शन में स्कूल शिक्षा मंत्री

लगता है मंत्री गजेंद्र यादव स्कूल शिक्षा विभाग को सुधारने में लग गए हैं। एक महीने में ही कई एक्शन ले लिए हैं और कुछ जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस थमा दिया, तो एकाध को बाहर का रास्ता दिखा दिया। करीब डेढ़ साल बाद शिक्षा विभाग को स्वतंत्र मंत्री मिला है। मंत्री गजेंद्र यादव के एक्शन को देखकर लोग अनिल कपूर की फिल्म 'नायक' की याद करने लगे हैं। फिल्म में हीरो अनिल कपूर एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बनकर जनहित में फटाफट कई निर्णय ले लेता है। मंत्री गजेंद्र यादव ने निचले स्तर पर कई ट्रेनिंग प्रोग्राम को बंद करने का निर्देश दे दिया है। मंत्री के निर्देश पर आदेश भी जारी हो गया। अब शिक्षक नई चीजों से अपडेट कैसे होंगे, यह बड़ा सवाल है। शिक्षा विभाग की जड़ गांव-गांव और कोने-कोने तक है, कर्मचारी भी काफी हैं। गजेंद्र ने सुधार का बीड़ा उठाया है, यह तो अच्छी बात है, पर आसान भी नहीं है। मंत्री के एक्शन से विभाग में खलबली भी है और कुलबुलाहट भी। अब देखते हैं आगे क्या होता है।

सुर्खियों में ओपी चौधरी

पिछले दिनों भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि मंडल से न मिलकर वित्त और पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी सुर्खियों में आ गए। मंत्री को लेकर भाजपा से जुड़े डाक्टरों के गुस्से की बड़ी चर्चा रही। बताते हैं अब गिला-शिकवा दूर हो गया है। मंत्री जी 20 सितंबर को भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के लोगों से मिल लिए और उन्होंने मंत्री जी से अपनी बात कह दी। चर्चा है कि मंत्री जी अपने विभागीय सचिव से बैठक कर रहे थे। बंगले में मंत्री के मौजूद रहते मुलाक़ात न होना भाजपा से जुड़े डाक्टरों को नागवार गुजरा। कुछ दिनों पहले ओपी चौधरी के खिलाफ भाजयुमो नेता रवि भगत ने भी मोर्चा खोल लिया था। लगता है नेता से अफसर बने ओपी चौधरी की भाजपा से जुड़े लोगों से पटरी मेल नहीं खा पा रही है।